आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 10 नवंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 12

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर इंदौर

पेज-2

फिल्म 'बाहुबली' से बनी अनुष्का शेट्टी की पहचान

पेज-5

बुध आज से, गुरु मंगलवार को होंगे वक्री

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- लैंड फॉर जॉब केस : कोर्ट में लालू यादव समेत अन्य के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला 4 दिसंबर को
- लखनऊ आरएसएस दफ्तर की रेकी करने का आरोप... गुजरात में पकड़े गए आईएसआईएस के आतंकियों पर बड़ा खुलासा
- दिल्ली प्रदूषण को लेकर चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने पीएम को लिखा पत्र, इमरजेंसी मीटिंग की मांग
- जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किया बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश, फरीदाबाद से 300 किग्रा आरडीएक्स बरामद
- कर्नाटक : एलओपी आर अशोक और बीजेपी अध्यक्ष विजयेंद्र आज करेंगे सीएम आवास का घेराव
- भारत-चीन संबंध सुधार की राह पर, 5 साल में पहली बार दिल्ली से शंघाई के लिए उड़ी फ्लाइट
- पटना के दानापुर में गिरा मकान का छत, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत
- अमेरिकी सीनेट में गवर्नमेंट शटडाउन खत्म करने पर डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन्स के बीच बनी सहमति
- दिल्ली में दिसंबर तक खुलेंगे 187 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का ऐलान
- अमेरिकी सरकार का शटडाउन आज हो सकता खत्म है, पक्ष में अधिकतर डेमोक्रेट सांसद

खजराना गणेश को भी लगी ठंड...

इंदौर ● इंदौर सहित प्रदेश में लगातार बढ़ती ठंड से आमजन की दिनचर्या तो प्रभावित हो ही रही है, वहीं देवालयों में भी भगवान को ठंड से बचाने की व्यवस्था शुरू हुई... इसी कड़ी में आज सुप्रसिद्ध खजराना गणेश महाराज का भी विशेष श्रृंगार करते हुए उन्हें शॉल व अंगीठी ससम्मान अर्पित की गई... वहीं विघ्नहर्ता को ठंड के विशेष भोग में लड्डू हलवा के साथ दुग्ध-जलेबी का भी भोग लगाया गया... इस दौरान भक्तजनों ने भी भगवान के दर्शन लाभ लेते हुए परिवार में सुख-समृद्धि की मंगल कामना की...!

शीत लहर से ठिठुरा इंदौर

मौसम विभाग का अनुमान : इंदौर सहित 20 जिलों में आज कोल्ड वेव के आसार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में पिछले चार दिनों से सर्द हवाओं का दौर जारी है। लगातार तीसरी रात शहर का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया, जिसके कारण रात में तेज ठिठुरन महसूस हुई। वहीं दिन में भी ठंड का असर बढ़ गया है। सोमवार सुबह हल्का कोहरा छाया रहा और ठंडी हवाएं चलती रहीं।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 8 डिग्री नीचे है। इससे पहले शनिवार को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। पहाड़ों में बर्फबारी से मध्यप्रदेश ठिठुर गया है। नवंबर में ही पारा रिकॉर्ड लुढ़क गया है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत 20 जिलों में शीतलहर का अलर्ट है।

इंदौर में 25 तो भोपाल में 10 साल का रिकॉर्ड टूटा

शनिवार-रविवार की रात में कई शहरों में रिकॉर्ड ठंड रही। पारा 10 डिग्री के नीचे आ गया। भोपाल में नवंबर का पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां न्यूनतम तापमान 8 डिग्री रहा, जो साल 2015 के बाद सबसे कम है। इंदौर में पारा 7 डिग्री रहा। यहां पिछले 25 साल में नवंबर में इतनी सर्दी कभी नहीं पड़ी। यहां नवंबर की ठंड का ओवरऑल रिकॉर्ड 1938 का है। जब पारा 5.6 डिग्री पर पहुंचा था। इंदौर के साथ राजगढ़ में भी पारा 7 डिग्री दर्ज किया गया।

देपालपुर सब जेल में सालों से जमा जेलर

जेलर की मनमानी के खिलाफ कई बार हुई सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

शहर के नजदीक सब जेल देपालपुर में बरसों से जमे जेलर की मनमानी किसी से छुपी नहीं है। कैदियों से दुर्व्यवहार खराब खाना खराब, पानी की शिकायतें कई बार सीएम हेल्पलाइन पर हुई है, लेकिन जेलर शिकायतकर्ता पर किसी न किसी माध्यम से दबाव बनाकर मामले को रफा दफा कर देता है। इतना ही नहीं जेल की अनियमिता कई बार सामने आई है। कैदियों को मीनू के हिसाब से खाना नहीं दिया जाता है। सूत्रों से पता चला है कि एक ही प्रकार की सब्जी बार-बार दी जाती है। साथ ही ट्यूबवेल में शुरुआत में जो पानी आता है वह गंदा आता है। कई कैदियों के परिजन दबेछुपी जुबान से यह कहते पाए गए कि हमसे हमारे परिजनों को मिलवाने के लिए वसूली की जाती है। इसके लिए जेल के बाहर बनी दुकानों पर पैसे रखवाते हैं। इस प्रकार की कई शिकायतें सीएम हेल्पलाइन पर भी दर्ज की गई, लेकिन जेलर ने शिकायतकर्ता का तोड़ ढूंढ कर सीएम हेल्पलाइन को बंद करवा दिया। सबसे बड़ी बात यह है कि

सब जेल देपालपुर के जेलर वर्षों से यहां जमे हैं। पहले भी इनके खिलाफ कहीं शिकायत हुई है लेकिन जेलर के तार कहीं सत्तावादी नेताओं से जुड़े हैं जिसके कारण आज तक उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

स्थानीय सूत्र बताते हैं कि जेलर सब्जी की खरीदी हफ्ते में एक दिन करते हैं जेल के अंदर जो सब्जियों की खेती होती है, उन सब्जियों का उपयोग किया जाता है जिनके फर्जी बिल लगाए गए हैं। जानकारी में यह भी पता चला है कि जेलर अब नौकरी नहीं करना चाहते हैं। सूत्रों से पता चला है कि देपालपुर रहते जेलर ने खूब संपत्ति बनाई है, जिसको लेकर स्थानीय संगठन के कार्यकर्ता जेलर के खिलाफ लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराए जाने की भी सूचना मिल रही है। देपालपुर जेलर को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों पर सवाल खड़े हो गए हैं लगातार शिकायत मिलने के बाद भी जेलर पर अब तक अधिकारियों ने कार्यवाही नहीं की है। अब देखना होगा जेल में हो रही मनमानी के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारी क्या कदम उठाते हैं या फिर ऐसे ही शासन प्रशासन को जेलर ठेंगा दिखाते हैं रहेंगे?

इंदौर में एसआईआर के लिए मिले शत-प्रतिशत गणना प्रपत्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिला निर्वाचन कार्यालय ने रविवार को घोषणा की कि उसे 2,625 मतदान केंद्रों पर पंजीकृत लगभग 28.67 लाख मतदाताओं को कवर करने के लिए आवश्यक गणना प्रपत्रों (ईएफ) की 100% आपूर्ति प्राप्त हो गई है। यह मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसडीएम अजीत श्रीवास्तव के अनुसार, प्रशासन को कुल मिलाकर लगभग 60 लाख ईएफ प्राप्त हुए हैं। प्रत्येक मतदाता को दो प्रपत्र जारी किए जाएँगे: एक चुनाव कार्यालय के आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए और दूसरा मतदाता के लिए रसीद के रूप में। एसआईआर अभियान 4 नवंबर को शुरू हुआ था, लेकिन बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को फॉर्म वितरित करने में शुरुआती देरी का सामना करना पड़ा। पहले दिन, केवल लगभग 15 मतदान केंद्रों को ही ईएफ प्राप्त हुए, और बाद के दिनों में आपूर्ति में धीरे-धीरे सुधार हुआ। इस देरी का कारण राज्य भर में मतदाता सूची की छपाई का काम एक ही विक्रेता को सौंपा जाना था, जिसने कथित तौर पर छोटे अनुबंधों के माध्यम से इस काम को आउटसोर्स किया था, जिससे काम लंबित हो गया। एसआईआर अभियान केवल घर-घर जाकर कागजी कार्रवाई नहीं है; इसमें एक संपूर्ण ऑनलाइन मैपिंग घटक भी शामिल है। बीएलओ फॉर्म वितरित और एकत्र करते समय मतदाताओं

का ऑनलाइन मानचित्रण करेंगे। सबसे चुनौतीपूर्ण पहलू मतदाता को 2003 की मतदाता सूची से जोड़ने की आवश्यकता है। यदि किसी वर्तमान मतदाता का नाम 2003 की सूची में नहीं था, तो उनके माता-पिता या रक्त संबंधियों, जो 2003 में पंजीकृत थे, के विवरण का उपयोग करके उनका नाम ऑनलाइन मानचित्रित किया जाएगा। मतदाताओं को अपने रिश्तेदार का विवरण प्रदान करना होगा, जिसमें यह भी शामिल होगा कि वे 2003 में किस विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र में पंजीकृत थे। एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य एक शुद्ध और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है, जिसमें दो अलग-अलग स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं का पंजीकरण रद्द करना, मृत व्यक्तियों के नाम हटाना, स्थान बदलने पर नाम अद्यतन करना और धोखाधड़ी करने वाले मतदाताओं के नाम हटाना शामिल है।

ट्रेनिंग कैंप में लेट हुए राहुल, मिली सजा

दैनिक इंदौर संकेत

पचमढ़ी ● मध्यप्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में राहुल गांधी को 10 पुश अप लगाने की सजा मिली। यह सजा कांग्रेस नेता ने ही उन्हें लेट आने पर दी। गौरतलब है कि राहुल गांधी शनिवार को पचमढ़ी के होटल हाईलैंड में चल रहे कांग्रेस जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग कैंप में तय समय से लेट पहुंचे थे। इस पर कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के हेड सचिन राव ने कहा- हमारे प्रशिक्षण शिविर में अनुशासन का पालन न करने पर पनिशमेंट दिया जाता है। राहुल गांधी ने पूछा कि मेरे लिए क्या तय किया है? तो सचिन राव ने कहा- आपको 10 पुशअप लगाने होंगे। इसके बाद राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों के सामने दस पुश अप

लगाए। राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों के सामने जुजुत्सु का अभ्यास करते हुए बताया कि अपनी जमीन पर पकड़ कैसे मजबूत होनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि आपके पैर मजबूती से जमीन पर रहने चाहिए। यदि जमीन छोड़ दी तो आपकी पकड़ कमजोर हो जाएगी। राहुल गांधी सत्र में करीब पौने घंटे के संबोधन के बाद जुजुत्सु की ड्रेस पहनकर ट्रेनिंग हॉल में पहुंचे।

कांग्रेस नेताओं का विवाद सुलझा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र यादव के बीच चल रहा विवाद रविवार को नाटकीय ढंग से सुलह गया। सुलह महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा ओझा ने कराई। ओझा ने दोनों को काफी देर तक समझाइश दी और सबकुछ भूलकर कांग्रेस को मजबूत बनाने की बात कही। इसे लेकर रविवार रात को एक वीडियो जारी किया गया जिसमें दोनों नेता कह रहे हैं कि अब हमारे बीच में कोई विवाद नहीं है। चिंटू चौकसे ने कहा कि यादव कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी की आन, बान और शान हैं। वहीं

यादव ने कहा कि मैंने दो घोषणा की थीं कि 10 नवंबर को गांधी प्रतिमा से चिंटू चौकसे के घर तक जाऊंगा। उसे अब निरस्त किया जा रहा है। हम चौकसे के नेतृत्व में कांग्रेस को और मजबूत बनाएंगे।

मूल्यांकन 13 दिसंबर को मोहन सरकार के दो साल पूरे होने पर होगा आंकलन, संगठन कर रहा है गुपचुप तैयारी

मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर तैयार हो रहा है मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार 13 दिसंबर को दो साल पूरे करने जा रही है। राजनीतिक दृष्टि से यह अहम पड़ा है। इस बीच मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मंत्रियों की कार्यशैली और परफॉरमेंस का आंकलन दो स्तरों पर किया जा रहा है। शासन और पार्टी संगठन स्तर पर मंत्रियों का अलग-अलग रिपोर्ट कार्ड तैयार हो रहा है।

मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि पार्टी की ओर से बनाई जा रही रिपोर्ट में यह देखा जा रहा है कि मंत्रियों की कार्यशैली से राजनीतिक रूप से पार्टी को कितना लाभ मिला और जनता के बीच पार्टी की कैसी छवि बनी। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मंत्रियों का व्यवहार कैसा रहा, उनके काम हुए या नहीं। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से फीडबैक भी ले रही है। ऐसे ही शासन की ओर से तैयार की जा रही रिपोर्ट में विभागीय उपलब्धियों, योजनाओं के लक्ष्य और जनता तक

योजनाओं की पहुंच को मापदंड बनाया गया है। मुख्य सचिव स्तर पर यह प्रक्रिया तेजी से चल रही है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट कार्ड के आधार पर कुछ मंत्रियों को कैबिनेट से ड्रॉप किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि रिपोर्ट कार्ड तैयार होने के बाद

सरकार के पास काम करने के लिए केवल दो साल

आगामी 13 दिसंबर को मप्र सरकार के दो साल पूरे हो जाएंगे। अमूमन किसी भी सरकार का आखिरी एक साल चुनावी होता है। चुनावी साल में सरकार जनता के बीच अपने चार साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की ब्रांडिंग कर उसके नाम पर वोट मांगती है। ऐसे में सरकार के पास काम करने के लिए अब दो साल का ही समय बचा है। यही वजह है कि केंद्रीय नेतृत्व मंत्रिमंडल में फेरबदल करने की तैयारी कर रहा है, ताकि सरकार के काम-काज में सुधार हो और कमजोर परफॉर्म करने वाले मंत्रियों को हटाकर जनता को सकारात्मक संदेश दिया जा सके।

नवंबर के आखिर में मुख्यमंत्री और संगठन से जुड़े वरिष्ठ नेता मंत्रियों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर सकते हैं। दरअसल, पिछले महीने गुजरात में सीएम भूपेंद्र पटेल को छोडकर सभी मंत्रियों के इस्तीफे लेने और नए मंत्रिमंडल के गठन के फैसले से भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का रुख स्पष्ट हो चुका है कि पार्टी अब मंत्रियों की परफॉरमेंस को लेकर किसी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। मप्र में भी ऐसे संकेत हैं कि नॉन परफॉर्मर कुछ मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है, जबकि संगठनात्मक रूप से सक्रिय और मजबूत पकड़ वाले कुछ विधायकों एवं पूर्व मंत्रियों को मंत्री बनने का मौका मिल सकता है। कई विधायक और पूर्व मंत्री लगातार कैबिनेट में शामिल होने का दावा पेश कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर के बिजली उपभोक्ता को मिला समाधान में 51 हजार का फायदा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शासन द्वारा बिजली उपभोक्ताओं के लिए बकाया राशि होने पर लागू समाधान योजना के अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। इन्दौर के मालवा मिल क्षेत्र के एक उपभोक्ता ल ल लू प्र साद चंदेल को इस योजना से 51 हजार रु. का फायदा मिला। उन्हें बिजली बिल बकाया राशि मात्र 47 हजार जमा करवाना पड़ी और फायदा कहीं अधिक 51 हजार रुपए का मिला। इस तरह पश्चिम क्षेत्र बिजली कम्पनी कार्यक्षेत्र में 6 दिनों में 2 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को 21 लाख रु. से ज्यादा का हितलाभ दिया जा चुका है, जबकि बिजली कम्पनी को 1.30 करोड़ से ज्यादा की राशि मिली है। प्रत्येक उपभोक्ता को औसतन 1 हजार रु. का फायदा मिला। इस योजना के तहत सबसे ज्यादा फायदा तीन माह से ज्यादा की बिजली बिल बकाया राशि एकमुश्त जमा करवाने पर पूरा सरचार्ज माफ किया जा रहा है। वहीं किश्तों में जमा करने पर उपभोक्ता को अलग-अलग श्रेणियां अनुसार 50 से लेकर 90 प्रतिशत सरचार्ज छूट देय रहेगी।

अग्रवाल वैश्य युवक-युवतियों के अ.भा. परिचय सम्मलेन 15-16 नवंबर को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल यूथ फेडरेशन के तत्वावधान में अग्रवाल समाज का अ.भा. युवक-युवती परिचय सम्मलेन का दिव्य आयोजन 15-16 नवंबर को गाँधी हॉल प्रांगण पर होगा। संस्था द्वारा देश के विभिन्न शहरों में अब तक 194 राष्ट्रीय स्तर के परिचय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। इन सम्मेलनों के माध्यम से प्रति वर्ष औसतन तीन हजार से अधिक रिश्ते तय होते आए हैं। परिचय सम्मलेन के अवसर पर बहुरंगी परिचय पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है। फेडरेशन के अध्यक्ष राधाकिशन अग्रवाल ने बताया कि अब तक 950 प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी हैं। इनमें अधिकांश प्रत्याशी उच्च शिक्षित होकर एम. बी. ए., एम. सी.ए., डॉक्टर, सी.ए. एवं अपने-अपने प्रतिष्ठित कारोबार में स्थापित प्रत्याशी शामिल हैं।

गोंड शैली में प्रकृति की कथाओं का चित्र प्रदर्शनी हुई आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शनिवार को इंदौर शहर के देवल्लीकर कला वीथिका में गोंड शैली की चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। इस प्रदर्शनी में प्रकृति प्रेम को दर्शाती हुई अनेक कहानियां विद्यार्थियों द्वारा उकेरी गई। रंग रेखा संस्था की संस्थापिका रेखा सिंह ने बताया कि गत 4 नवम्बर को शासकीय आर्ट एंड कॉमर्स महाविद्यालय में 35 विद्यर्थियों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में गोंड कलाकार द्वारिका परस्ते ने विद्यर्थियों को गोंड शैली की भित्तिचित्रकला के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया था।

स्वच्छता के बाद अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर इंदौर

210 एकड़ में 60 मेगावाट क्षमता का सोलर पावर प्रोजेक्ट बन रहा, 97% काम पूरा-महापौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्वच्छता में 8 बार नंबर वन इंदौर अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी बड़ा कदम उठा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शनिवार को जलूद स्थित सोलर पावर प्लांट, जल शोधन संयंत्र एवं पंपिंग स्टेशन का काम देखने पहुंचे थे। उनके साथ जल कार्य प्रभारी अभिषेक (बबलू) शर्मा एवं विभागीय अधिकारी भी थे।

इस मौके पर महापौर ने परियोजना की प्रोग्रेस, तकनीकी संरचना और ऊर्जा बचत की संभावनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम द्वारा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के संरक्षण में ग्राम सामराज एवं ग्राम आसुखेड़ी की 210 एकड़ जमीन पर 60 मेगावाट क्षमता का सोलर पावर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है।

महापौर ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण संचालन से नगर निगम को प्रतिमाह लगभग 80 लाख यूनिट बिजली की बचत होगी, जिससे 3 से 4 करोड़ रुपए मासिक विद्युत बिल में कमी आएगी। यह कदम इंदौर को ऊर्जा आत्मनिर्भर शहर के रूप में नई पहचान देगा।

- *210 एकड़ में 1.23 लाख सोलर मॉड्यूल से 60 मेगावाट बिजली उत्पादन*
- *1.23 लाख सोलर मॉड्यूल से होगा 60 मेगावाट उत्पादन।*
- *परियोजना के अंतर्गत 210 एकड़ जमीन को 7 भागों में विभाजित किया गया है।*
- *ग्राम सामराज के भाग 1 से 5 से 48 मेगावाट।*
- *ग्राम आसुखेड़ी के भाग 6 एवं 7 से 12 मेगावाट बिजली उत्पादन होगा।*
- *निरीक्षण के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव और एमआईसी मेंबर अभिषेक शर्मा व अन्य।*
- *निरीक्षण के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव और एमआईसी मेंबर अभिषेक शर्मा व अन्य।*

नवीनतम तकनीकी उपकरण लगे

इस मॉडर्न संयंत्र में 1.23 लाख सोलर मॉड्यूल, 21 इनवर्टर, 7 इनवर्टर ड्यूटी ट्रांसफॉर्मर, 2 पावर ट्रांसफॉर्मर एवं अन्य नवीनतम तकनीकी उपकरण लगाए गए हैं। परियोजना की जिम्मेदार एजेंसी ने 97 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है, जबकि बाकी काम अंतिम चरण में है।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाकी काम को जल्दी पूरा कर टेस्टिंग एवं कमीशनिंग की प्रक्रिया शुरू की जाए। यह परियोजना न केवल नगर निगम की बिजली लागत में बड़ी बचत करेगी, बल्कि इंदौर को ग्रीन एनर्जी सिटी के रूप में प्रतिष्ठित करेगी।

शहर में साम्प्रदायिक तनाव फैलाने वाले सभी आयोजनों-गतिविधियों पर लगी रोक

व्हाट्सअप एडमिन को भी हिदायत... भड़काऊ पोस्ट करने वालों की खैर नहीं!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पुलिस आयुक्त संतोषकुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर इंदौर नगरीय सीमा में सांप्रदायिक तनाव और समुदायों के बीच में वैमनस्य उत्पन्न करने वाले किसी भी आयोजन और अन्य गतिविधियों को करने पर प्रतिबंध लगाया है। आदेश का उल्लंघन करने वालो के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आगामी 1 जनवरी 2026 तक लागू रहेगा।

जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार इन्दौर नगरीय सीमा के अन्दर किसी भी समुदाय के व्यक्ति द्वारा दूसरे समुदाय की भावनाओं के विपरीत ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जायेगा, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो।

न ही दूसरे समुदाय के धार्मिक भावनाओं के विरूद्ध किसी प्रकार का उत्तेजनात्मक भाषण दिया जायेगा और न ही सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना एवं अफवाहें फैलाई जायेगी। कोई भी व्यक्ति किसी खुले स्थान पर अथवा मकानों की छतों पर ईंट, पत्थर, सोडावाटर की बोतल या अन्य कांच की बोतल, ज्वलनशील पदार्थ अथवा कोई विस्फोटक सामग्री जमा नहीं करेगा और न रखेगा, जिसका प्रयोग आतंक उत्पन्न करने अथवा किसी हिंसात्मक गतिविधियों में किया जा सके। इन्दौर नगरीय पुलिस जिला की सीमा के अन्दर कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई अनुचित मुद्रण/प्रकाशन नहीं करेगा, जिससे साम्प्रदायिक तनाव अथवा समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न हो। कोई भी व्यक्ति मौखिक या लिखित, इलेक्ट्रानिक या सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना व ऐसी अफवाहें नहीं फैलायेगा, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो और न ही सोशल मिडिया पर किसी प्रकार का ऐसा धार्मिक शब्द या प्रतीक चिन्ह का प्रयोग करेगा, जिससे किसी भी समुदाय को धार्मिक ठेस पहुंचे अथवा समाज में विद्वेष की भावना जागृत हो, यह कृत्य दण्डनीय अपराध है।

सोशल मीडिया पर ग्रुप एडमिन का उत्तरदायित्व होगा कि ग्रुप से जुड़ा कोई भी व्यक्ति भडकाऊ अथवा अफवाह फैलाने संबंधित कोई पोस्ट नहीं करेगा। यदि कोई ऐसा पोस्ट करता है, तो ग्रुप एडमिन उसे तत्काल डिलीट कराते हुये संबंधित व्यक्ति को ग्रुप से बाहर करेगा और स्थानीय पुलिस को सूचित भी करेगा। किसी भी साइबर कैफे के स्वामी/संचालक द्वारा किसी भी अनजान व्यक्ति, जिसका परिचय किसी विश्वसनीय प्रमाण-पत्र जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, पासपोर्ट फोटो युक्त, क्रेडिट कार्ड, पैन कार्ड या ऐसे ही अन्य साक्ष्य से प्रमाणित न हो, को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जायेगा। समस्त आगन्तुकों/प्रयोगकर्ताओं का रजिस्टर रखे बिना सायबर कैफे संचालित नहीं किया जायेगा।

सरयूपारिण ब्राह्मण समाज का भव्य परिवारिक व पितृ पुरुषों का सम्मान समारोह आयोजन किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सरयूपारिण ब्राह्मण समाज के अनुप शुक्ला व गौतम तिवारी , राजेश पांडे ने बताए की आज सरयूपारीण ब्राह्मण समाज का परिवारिक मिलन का आयोजन किया गया जिसमे बडी संख्या मे समाजजन शामिल हुए साथ ही इस अवसर पर समाज के उन पितृ पुरूषो को याद किया गया जो कि समाज की स्तंभ स्थापित करने में समाज को एकत्रित करने मे मुख्य भुमिका निभाई व इन्दौर मे ही नही पुरे प्रदेश मे समाज को एक पहचान दिलाई उनके सम्मान में स्मर्ति चिन्ह उनके परिवार जनों को प्रदान किया गया

समाज के अध्यक्ष निर्मल दुबे व पंकज पाण्डेय, अवध नारायण शुक्ला ने बताए की इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ दिवंगत स्व श्री सरजू प्रसाद जी तिवारी (मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति), स्व बृजमोहन तिवारी, स्व दुधनाथ मिश्रा, स्व शेषमणी मिश्रा, स्व. नर्बदा प्रसाद तिवारी , स्व. राम आधार उपाध्याय, स्व कैप्टन आर. टी. पाण्डेय, स्व. गौरीशंकर जी तिवारी, स्व रूप कुमार तिवारी, स्व. अम्बिकप्रसाद पाण्डेय, स्व अजय तिवारी, स्वर्गीय राम नारायण जी पांडे, स्वर्गीय श्री गुरु प्रसाद जी दुबे आदि लोगो को याद करते हुए उनके स्मृति में सम्मान किया गया ।

उक्त कार्यक्रम में धरावरा धाम के महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 शुकदेव जी महाराज, सामाज के संरक्षक संजू उपाध्याय, पं. पवन कुमार त्रिपाठी, चन्द्रमोहन दुबे, डॉ ए के द्विवेदी,पार्षद मनोज मिश्रा, पार्षद पति महेश जोशी,शरद तिवारी , पप्पू शर्मा जी, पंडित आलोक पांडे वही मातृशक्ति में श्रीमती रश्मी तिवारी, सरिता दुबे, उषा मिश्रा , श्रीमती मंजुला दुबे,श्रीमती रेखा शर्मा के आतिथ्य मे सम्पन्न हुआ अतिथियों का स्वागत , ओ .पी. मिश्रा जी, सुदेश पांडे,नितिन मिश्रा,अशोक पाण्डेय, धीरेन्द्र ओझा, जगदीश तिवारी अल्केश पांडे अजय त्रिपाठी अनिल पांडे महिला समिति अध्यक्ष श्रीमति संपदा मिश्रा, पुनम शुक्ला, गीता शुक्ला , इंदु पांडे,प्रगति तिवारी, चांदनी पांडे , सत्यभामा शुक्ला , रंजीता पांडे , चंचल शुक्ला ,सुमन तिवारी जी , संध्या पांडे द्वारा किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अल्केश पांडे , पंडित विवेक मिश्रा,सुरेंद्र मिश्रा, पंडित उमेश पांडे, पंडित नरेंद्र त्रिपाठी, पंडित , शैलेंद्र तिवारी,सुनील मिश्रा, संतोष तिवारी, वेद प्रकाश शुक्ला, जनक लाल मिश्रा, हरिहर त्रिपाठी, पंडित आनंद तिवारी,कपिल शुक्ला, संदीप शुक्ला,शरद पाठक, पंडित शुभम पांडे , विनीत पांडे , साहब मिश्रा, संजय पांडे, वीरेंद्र दुबे ,आनंद शुक्ला मंच का संचालन पलक मिश्रा द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने किया ग्रामीण क्षेत्र के स्वच्छता अभियान का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर में स्वच्छता की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए अब इंदौर के ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान को नई दिशा और गति प्रदान की जा रही है। जिला पंचायत एवं ग्राम पंचायतों द्वारा संयुक्त रूप से सक्रिय अभियान चलाते हुए शहर से लगे गांवों तथा शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों पर विशेष साफ-सफाई कार्य प्राथमिकता से संचालित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विशेष स्वच्छता अभियान का व्यापक अवलोकन किया। कलेक्टर वर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राष्ट्रीय राजमार्ग सहित जिले की सभी प्रमुख सड़कों पर स्वच्छता का उच्च स्तरीय रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर गंदगी या कचरा दिखाई देने पर उसका तत्काल उठाव और निस्तारण सुनिश्चित हो। कलेक्टर श्री वर्मा ने अपने निरीक्षण की शुरुआत अरविंदो अस्पताल क्षेत्र से की और इसके पश्चात शहर में आने वाले विभिन्न मार्गों तथा मार्ग में स्थित गांवों के स्वच्छता अभियान की समीक्षा करते हुए धरमपुरी तक निरीक्षण किया।

आदि संस्कृति के वैभव के गुणगान और प्रतिभा सम्मान का अवसर है जनजातीय गौरव दिवस- मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय गौरव दिवस आदि संस्कृति के वैभव के गुणगान और प्रतिभा सम्मान का अवसर है। उन्होंने कलेक्टरों को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती जनजातीय गौरव दिवस को सम्मानपूर्वक पूरी गरिमा के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनजाति बहुत जिलों और विकासखण्डों में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की श्रृंखलाओं का आयोजन शुरू किये जाये।

वर्ष 2021 से जनजातीय समुदाय के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का सम्मान करने और आदि संस्कृति के वैभव का यशोगन करने के लिए जनजातीय गौरव दिवस उत्साह पूर्वक मनाया जा रहा है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 में मध्यप्रदेश से की थी। भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में उलगुलान क्रांति ने ब्रिटिश शासन की जड़ें हिला दी थी। ऐसे आदिवासी आंदोलन न केवल ब्रिटिश अत्याचार को चुनौती देने के लिए महत्वपूर्ण थे बल्कि राष्ट्रीय जागृति को भी प्रेरित किया। अंग्रेज सरकार के खिलाफ बिरसा मुंडा ने उग्र आंदोलन का नेतृत्व किया जिसके चलते 15 नवंबर को उनकी जयंती जनजातीय नायकों का सम्मान करने का अवसर बन गई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वतंत्रता के 75 वर्षों का जश्न मनाते हुए वर्ष 2021 में आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया गया था। यह दिन जनजातीय समुदाय के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और विरासत का जश्न है। इस अवसर पर सभी राज्यों में एकता, गौरव, भारत की स्वतंत्रता और प्रगति में जनजातीय समुदायों का योगदान रेखांकित करने के लिए राष्ट्रव्यापी आयोजन किया जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस को प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप पूरी गरिमा के साथ आयोजित किया जा रहा है।

छात्रावास का औचक निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार आज सुदामा नगर स्थित सीनियर अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण किया गया। एसडीएम श्रीमती कल्याणी पांडे ने अपने निरीक्षण के दौरान छात्रावास में निवासरत बालिकाओं से संवाद स्थापित किया तथा उनके साथ दोपहर का भोजन भी किया। भोजन व्यवस्था की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। मेन्यू में पौष्टिक तत्वों की मात्रा बढ़ाने तथा विस्तृत मेन्यू तैयार कर नियमित रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की व्यवस्था भी सुव्यवस्थित एवं संतोषजनक पाई गई। उल्लेखनीय की कलेक्टर शिवम वर्मा ने छात्रावासों के निरीक्षण के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौपी है। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक माह छात्रावासों का निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान छात्रावास प्रबंधन को गुणवत्तापूर्ण भोजन, छात्राओं की आवश्यकताओं की समय पर पूर्ति तथा परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

एमपीपीएससी : राज्य सेवा परीक्षा 2023 में नया ट्रेंड- पूर्व में चयनित बने डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र लोक सेवा आयोग (पीएससी) ने राज्य सेवा परीक्षा 2023 का रिजल्ट जारी कर दिया है। कुल 229 उम्मीदवार इस परीक्षा में थे। 87 प्रतिशत फार्मूले से 204 पदों की चयन सूची का रिजल्ट जारी होना था, लेकिन सात पद भूतपूर्व सैनिकों के रिक्त रहे हैं और 197 पदों की सूची जारी हुई है। इसमें पन्ना के अजीत मिश्रा ने टॉप किया है। वहीं डीएसपी में नारीशक्ति भारी पड़ी है और 13 पद इनके खाते में गए हैं। इस बार एक नया ट्रेंड दिखा है- डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी जैसे सबसे अहम और बड़ी दोनों पोस्ट पर अधिकांश वह उम्मीदवार चुने गए हैं जो पहले ही किसी न किसी पद पर चयनित हो चुके हैं।

रैंक 1 - अजीत मिश्रा अभी नायब तहसीलदार : पन्ना के अजीत मिश्रा ने पीएससी 2023 में टॉप किया है। वह साल 2022 में पहले नायब तहसीलदार चयनित होकर अभी मैहर में पदस्थ हैं। साल 2024 में वह असिस्टेंट डायरेक्टर (फाइनेंस) के पद पर चयनित हुए थे। यह उनका चौथा प्रयास था।

रैंक 2 - भुवनेश डीएसपी से डिप्टी कलेक्टर : पीएससी 2023 में रैंक टू पर रहे भुवनेश चौहान साल 2021 में डीएसपी पद पर चयनित हो चुके हैं। साथ ही, अभी ट्रेनिंग पर हैं। वह रायसेन जिले के गूगलवाड़ा तहसील बाड़ी के

निवासी हैं। इसके पहले वह फॉरेस्ट रेंजर और पटवारी पद पर भी चयनित हो चुके थे।

रैंक 3 - स्वर्णकार भी दो बार चुने जा चुके : वहीं सागर के यशपाल स्वर्णकार टॉप थ्री रैंक पर रहे हैं और डिप्टी कलेक्टर बने हैं। वह अभी आडिट सेवा में हैं। साल 2021 में वह इसमें पीएससी से चयनित हुए थे, फिर वह 2022 में जीएसटी इंस्पेक्टर पर चयनित हुए। यह उनका तीसरा चयन है।

रैंक 4 - अभिषेक जैन भी डीएसपी से डिप्टी कलेक्टर : दमोह के अभिषेक जैन इस बार डिप्टी कलेक्टर बने हैं और चौथे पायदान पर रहे हैं। वह इसके पहले 2024 में डीएसपी पर चयनित हुए थे। हालांकि अभी 2024 वालों की जॉइनिंग नहीं हुई है। इसके पहले ही वह डिप्टी कलेक्टर हो गए हैं। वह इसके पहले जनपद सीईओ, लेखा सेवा में भी चयनित हो चुके हैं। अभी जनपद सीईओ लखनादौन में पदस्थ हैं।

रैंक 6 - प्रिया अभी लेबर डिपार्टमेंट में : चयन सूची में छठे पायदान पर आकर डिप्टी कलेक्टर बनीं प्रिया अग्रवाल मूल रूप से सतना के बिरसिंहपुर की हैं। इनके पिता की मंदिर के पास प्रसाद की दुकान है। वह भी पूर्व में साल 2021 की पीएससी में लेबर डिपार्टमेंट में चयनित हो चुकीं हैं।

रैंक 9 - कल्पेश सिंघई भी पूर्व चयनित : रैंक 9 पर आकर डिप्टी कलेक्टर बने भोपाल के कल्पेश सिंघई भी पूर्व में चयनित हैं। वहीं, अभी नगरीय विकास प्राधिकरण में पदस्थ हैं।

रैंक 10 - अदिति भी ट्रेजरी ऑफिसर : टॉप 10 रैंक पर रही अदिति जैन के पिता की छतरपुर के गांव में किराने की दुकान है। वह अभी ट्रेजरी ऑफिसर हैं। इसके पहले वह असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर पर और 2024 में ट्रेजरी ऑफिसर पर चयनित हुई थीं। अब वह डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित हुई हैं।

टॉपर अजीत मिश्रा को 966 अंक मिले : राज्य सेवा परीक्षा 2023 में टॉपर ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के अजीत मिश्रा रहे हैं। इन्हें कुल 1575 में से 966 अंक मिले हैं। इन्हें लिखित परीक्षा में 1400 में सबसे ज्यादा 821 अंक हासिल हुए। साथ ही, इंटरव्यू में 175 अंक में से 145 अंक हासिल हुए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 10 नवंबर 2025

मेट्रो के अंडरग्राउंड का दायरा बढ़ेगा 12 किमी लंबाई हो सकती है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●मेट्रो का काम तेजी से किया जा रहा है। जनवरी 2026 तक गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो को चलाने की तैयारी तेजी की जा रही है। मेट्रो सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मध्य हिस्से के डिजाइन में बदलाव करने की तैयारी शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि अगर मेट्रो प्रबंधन रूट में बदलाव करता है तो अंडरग्राउंड मेट्रो का छेत्र 12 किमी का हो जाएगा, जो की अभी 8.7 किमी है। इस बदलाव के बाद के साथ ही मेट्रो का बजट भी बढ़ेगा।

रूट का फाइनल सर्वे कराया जाएगा, जिसके बाद डिजाइन में जरूर बदलाव के बाद इसे कैबिनेट में अनुमति के लिए भेजा जाएगा। इसके बाद केंद्र सरकार से भी मंजूरी मिलेगी। फिर काम नए सिरे से शुरू होगा। बता दें कि रोबोट चौराहा से पलासिया चौराहा तक कुल 5.50 किमी पर एलिवेटेड कॉरिडोर का टेंडर 550 करोड़ में हुआ था। अलाइमेंट विवाद के कारण डेढ़ साल से काम ठप पड़ा था। खजराना के बाद से ही इसे अंडरग्राउंड करने की तैयारी है। ठेका निरस्त करने पर भी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को मुआवजा देना होगा। अब तक इंदौर मेट्रो पर 4409 करोड़ खर्च हो चुके हैं।

तीन फेज में तैयार हो रही इंदौर मेट्रो

फेज 1 : मेट्रो डिपो से लेकर सुपर कॉरिडोर स्टेशन 3 तक का पहला फेज है। कुल लंबाई 6.3 किमी की है। इसमें 5.9 किमी का प्रायोरिटी कॉरिडोर (गांधी नगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर स्टेशन 6, 5, 4 और 3) है। इस पर आज 31 मई से मेट्रो का कॉमर्शियल रन शुरू हो गया। इस फेज की लागत लगभग 1520 करोड़ रुपए आई है।

फेज 2 : इंदौर मेट्रो का दूसरा फेज सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 से मालवीय नगर चौराहा (रेडिसन चौराहा) तक है। मेट्रो का दूसरा फेज 10.98 किमी का है, जिसमें 11 स्टेशन हैं। शासन और मेट्रो प्रबंधन का दावा है कि यह फेज जनवरी के पहले पूरा हो जाएगा। जनवरी 2026 में इस फेज में भी मेट्रो का कॉमर्शियल रन शुरू कर देंगे। इस फेज की लागत भी लगभग 1200 करोड़ रुपए है।

फेज 3 : इंदौर मेट्रो का तीसरा फेज सबसे ज्यादा चुनौती वाला है। यह फेज 14 किमी का है, जिसमें 12 स्टेशन बनेंगे। तीसरे फेज के 14 किमी के हिस्से में 8.7 किमी का हिस्सा अंडरग्राउंड तो वहीं 5.34 किमी का हिस्सा एलिवेटेड है। इसमें 7 स्टेशन अंडरग्राउंड तो वहीं 5 स्टेशन एलिवेटेड बनेंगे। इस फेज में शहीद बगीचा, खजराना, बंगाली, पत्रकार और पलासिया चौराहा पर एलिवेटेड स्टेशन प्रस्तावित हैं। वहीं, रेलवे स्टेशन, राजवाड़ा, छोटा गणपति, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, बीएसएफ-कालानी नगर और एयरपोर्ट पर अंडर ग्राउंड स्टेशन प्रस्तावित है।

1 हजार करोड़ से ज्यादा होंगे खर्च

मेट्रो ट्रैक की प्लानिंग में बदलाव के कारण अब एक हजार करोड़ रुपए ज्यादा खर्च होंगे। अभी मेट्रो प्रोजेक्ट की लागत पंद्रह हजार करोड़ है। बदलाव के बाद लागत और बढ़ेगी। मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट पूरा होने में भी देरी होगी। इसके अलावा अंडरग्राउंड हिस्से में अलग से मिट्टी परीक्षण व अन्य परीक्षण होंगे। बंगाली चौराहे वाले हिस्से से अब मेट्रो ट्रेन अंडरग्राउंड होगी। शहर का यह हिस्सा पथरीला है। यहां निर्माण में भी ज्यादा समय लग सकता है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

साहब की ईमानदारी पर उठे सवाल, टेंशन में विधायक जी और वो कुर्सी बचाओ अभियान

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश में इस हफ्ते सियासी हलचल बढ़ती दिख रही है। यहां सरकारी विभागों में कुर्सी की जंग, विधायक निधि से सोलर लाइट मुद्दा, और सोशल मीडिया पर गलत आदेश की गलती ने सरकार को परेशानी में डाल दिया है। बोल हरि बोल में जानिए कैसे ये सब सियासी रंग बदल रहे हैं। सियासत में जो खुलकर नहीं कहा जाता, वही सबसे ज्यादा बोला जाता है ज धीरे से, मुस्कुराकर और व्यंग्य के साथ। इस हफ्ते हम लेकर आए हैं सूबे के अनकहे किस्से, जहां ईमानदारी भी एजेंसी स्पेशल हो गई है। बजट सांस रोककर चल रहा है। माननीयों की सोलर चमक डिम पड़ रही है और कुछ मंत्री सोशल मीडिया को अपनी सेवा पुस्तिका बना बैठे हैं। आप तो सीधे नीचे उतर आइए और वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

लॉ डिपार्टमेंट में कानून विश्राम!

मध्यप्रदेश के लॉ डिपार्टमेंट में कानूनी विश्राम चल रहा है। जी हां! सही पढ़ा है आपने। मंत्रालय में इन दिनों कानून नहीं, कुर्सी चर्चा में है। दो महीने से विधि विभाग में प्रमुख सचिव नहीं है। फाइलें सीएम सचिवालय में अटकी हैं। ये स्थिति तब है, जब प्रमोशन में आरक्षण का केस कोर्ट में है। यहां तो पूरा विभाग ही रिव्यू पिटीशन में पड़ा है। मंत्रालय के दूसरे दफ्तर भी कम नहीं हैं। कहीं उप सचिव गायब हैं। कहीं अपर सचिव के दर्शन दुर्लभ हैं। अब जलने वाले तो कह रहे हैं कि मंत्रालय तो चल रहा है, लेकिन यह ऑटोपायलट मोड पर। अब देखना है कि सीएम सचिवालय से कब फाइलें रिलीज होती हैं?

माननीयों की चमक डिम हो गई

सूबे में विधायक निधि से अब तक माननीय अपने क्षेत्र में विकास की रोशनी फैलाते थे, लेकिन इस बार रोशनी सोलर से आने वाली है। और यहीं गड़बड़ है। हुआ यूं है कि माननीयों ने विधायक निधि से सोलर लाइट लगाने का मन बनाया, लेकिन बड़े साहब ने बीच में सूरज की किरण जैसा फरमान चमका दिया है। मतलब, सोलर से जुड़े सभी काम ऊर्जा विकास निगम से ही होंगे। अब विधायक जी सोच में हैं, क्योंकि इससे उनका पावर कनेक्शन कट गया है। पहले तो कलेक्टर को इशारा करके वे ठेका सीधे अपने वाले को दिलवा देते थे। अब साहब ने सिस्टम में ऐसा सर्किट लगा दिया है कि कोई खास ठेकेदार कनेक्ट नहीं हो पा रहा। सियासी गलियारों में चर्चा है कि सोलर लाइट तो लग जाएगी, पर माननीयों की चमक थोड़ी डिम पड़ सकती है।

बिजली से ज्यादा करंट आदेश में!

सोशल मीडिया का जमाना है साहब। कब कौन-सी पोस्ट करंट मार जाए, कहा नहीं जा सकता। अब देखिए, रबी सीजन में किसानों को 10 घंटे बिजली देने का फरमान चार साल से वैसे ही कॉपी-पेस्ट होता आ रहा था। इस बार भी हुआ वही, लेकिन विपक्ष ने इसे पकड़ लिया और सरकार के तार उलझ गए। इसके बाद सरकार ने आदेश वापस लेकर सफाई दी और एक सीनियर अफसर को हटा दिया गया। सवाल ये है कि बिना ऊपर के सपोर्ट के कोई आदेश जारी होता है क्या? एमडी साहब के स्तर पर हां हुई थी तो करंट नीचे वाले को ही क्यों दिया गया? अफसरों में खुसर-पुसर है कि सिस्टम में लाइट फेल होने पर हमेशा छोटी मछली ही तली जाती है। बड़े साहब तो हमेशा इनवर्टर मोड पर बच निकलते हैं।

एजेंसी के भक्त हो क्या साहब?

प्रदेश के एक ईमानदार अफसर इन दिनों एक ही कंपनी को काम देने की वजह से चर्चा में हैं। इससे पहले तक स्थिति ऐसी थी कि साहब की ईमानदारी की कसमें खाई जाती थीं। कोई उनके काम पर उंगली नहीं उठा सकता था, लेकिन अब हालत ऐसे हैं कि वे जहां भी जाते हैं, अपनी खास एजेंसी को ठेका दे देते हैं। दिल्ली की यह एजेंसी भी गोलमाल करने में माफिर मानी जाती है। यह फर्जी कागजात तक से ठेका हासिल कर लेती है। साहब का दबदबा रहता है तो दीगर अधिकारी कंपनी के कागज भी नहीं जांचते। अब साहब के शुभचिंतक उनके पीछे लग गए हैं। आपको बता दें कि ये साहब अपने सरल, सहज अंदाज के लिए जाने जाते हैं। भगवान के बड़े भक्त हैं।

खजाना खाली, विभागों के पर करते

सरकार के खजाने में इन दिनों सन्नाटा और उधारी दोनों गूंज रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि विभागों को साफ कह दिया गया है कि जो बजट मिला है, उसी में सांस लीजिए। इससे कोई नया काम नहीं होगा। इसके पीछे वजह बड़ी सीधी है। लाड़ली बहना योजना में अब राशि 1500 रुपए करनी है। सोयाबीन खरीदी का भुगतान सिर पर है और केंद्र से पैसा कब आएगा, ये किसी को नहीं पता। सरकार ने किसानों को 13 नवंबर को भुगतान का भरोसा दिलाया है, जबकि केंद्र की रकम डेढ़ महीने बाद आएगी। आंकड़े बताते हैं कि सरकार साल के सात महीनों में 42,600 करोड़ का कर्ज ले चुकी है। अब मंत्रालय के गलियारों में फुसफुसाहट है कि विकास तो होगा, पर उधार की सांसों पर।

चर्चा में है जीत का प्लान

पचमढ़ी की वादियों में इन दिनों कांग्रेस की पॉलिटिकल वर्कशॉप चल रही है। राहुल गांधी खुद क्लास ले रहे हैं। विषय है पार्टी मैनेजमेंट और समन्वय के गुर। कोई नेता अपनी उपलब्धियां गिना रहा है तो कोई दुखड़ा सुना रहा है। सबसे ज्यादा चर्चा एक दिग्गज लीडर के प्रेजेंटेशन की है। इसमें उन्होंने बताया है कि कांग्रेस को कैसे मजबूत कर फिर से जीत की दहलीज पर लाया जा सकता है। आपको बता दें कि यही नेताजी 2020 में सरकार गिरने के समय मैनेजमेंट मिसफायर के मास्टर माने गए थे। अब पार्टी गलियारों में फुसफुसाहट है कि जिनके प्लान से सरकार गई थी, अब वही जीत का प्लान पढ़ा रहे हैं।

मंत्रियों में मंथन...कुर्सी बचाओ अभियान

गुजरात में सत्ता की हलचल क्या हुई, मध्यप्रदेश के आधा दर्जन माननीयों की धड़कनें बढ़ गईं हैं। दिसंबर में सरकार के दो साल पूरे होने वाले हैं और डॉक्टर साहब पहले ही संकेत दे चुके हैं कि मंत्रियों का परफॉर्मेंस टेस्ट किया जाएगा। जो मंत्री रिपोर्ट कार्ड में पीछे चल रहे हैं, उनकी कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। नतीजा ये कि इन दिनों मंत्री जी लोगों ने सोशल मीडिया को ही सेवा भाव का मंच बना लिया है। दिल्ली दरबार की पोस्ट पर जय-जयकार, रिपोस्ट और शेयर की बाढ़ है। कोई मंदिरों की परिक्रमा कर रहा है तो कोई अचानक जनता दरबार में जमीन पर बैठा दिख रहा है।

पुलिस कर रही ड्रोन से पेट्रोलिंग, शेडो एरिया में संदिग्ध और नशा करने वालों पर रहती है तीसरी आंख

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के चौराहों-सड़कों यहां तक की गलियों में पुलिस मैदान में उतरकर तो चेकिंग कर रही है। लेकिन, इंदौर पुलिस अब हाईटेक तरीके से भी ड्रोन से पेट्रोलिंग कर रही है। ड्रोन से उन शेडो एरिया में नजर रखी जा रही है। जहां संदिग्ध और नशा करने वाले छिपकर बैठे रहते हैं और आसानी से पुलिस की नजरों में नहीं आते हैं। कई थाना क्षेत्रों में ऐसे शेडों एरिया होते हैं जहां पुलिस की नजर नहीं जा पाती है। ऐसी जगह का फायदा संदिग्धों-असामाजिक तत्वों को मिल जाता है। ऐसे जगह पर भी पुलिस की पैनी नजर रहे इसके लिए ड्रोन पेट्रोलिंग शुरू की गई है, ताकि यहां भी नजर रखी जा सके। ड्रोन कैमरों को भी पुलिस की पेट्रोलिंग में इस्तेमाल किया जा रहा है और पुलिस की व्यवस्था को भी हाईटेक किया जा रहा है। नशा करने वाले कई बार तंग गलियों में छिपे रहते है जो आसानी से नजर नहीं आते हैं। उनकी तलाश में भी ये ड्रोन पेट्रोलिंग काफी काम आती है।

संदिग्ध मिलने पर पुलिस करती चेकिंग

ड्रोन से पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस का बल भी इलाके में मौजूद रहता है। ड्रोन से पेट्रोलिंग के दौरान जब कैमरे में पुलिस को कोई संदिग्ध मिलते हैं तो पुलिस बल को तुरंत इसकी जानकारी दी जाती है और पुलिस की दो टीमें अलग-अलग तरफ से घेराबंदी कर संदिग्धों तक पहुंचती है और उन्हें पकड़कर उनसे पूछताछ और उनकी चेकिंग करती है। इसी तरह नशा करने वालों पर भी नजर रखी जाती है। हाल ही में चंदन नगर पुलिस ने ड्रोन की मदद से नशा करने वाले को पकड़कर कार्रवाई भी की थी।

शेडों एरिया पर नजर रखी पुलिस

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि इंदौर पुलिस द्वारा हाई-टेक ड्रोन पेट्रोलिंग की जा रही है। थाना क्षेत्रों में कुछ शेडों एरिया रहते हैं। जिन पर पुलिस की नजर नहीं जा पाती है। इसे शेडो एरिया पर नजर रखने के लिए ड्रोन पेट्रोलिंग की जा रही है।

नर्मदा परिक्रमा यात्रा 12 नवंबर से, 500 से ज्यादा यात्री करेंगे पैदल परिक्रमा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नर्मदा परिक्रमा यात्रा 12 नवंबर को गौमुख घाट ममलेश्वर से शुरू होगी, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर साध्वी सत्यप्रिया गिरी के पावन सानिध्य में निकलने वाली यात्रा में इंदौर सहित अन्य प्रदेशों के यात्री सम्मिलित होंगे। लक्की अवस्थी ने बताया कि यात्रा में शामिल होने के लिए इंदौर से बड़ी संख्या में यात्री मंगलवार शाम को ओंकारेश्वर के लिए रवाना होंगे, नर्मदा परिक्रमा यात्रा की शुरुआत 12 नवंबर गोमुख घाट ममलेश्वर से होगी यात्रा शुरू के पहले वेद मंत्रों के बीच 108 कन्याओं का पूजन होगा, उसके बाद 108 संत ब्राह्मणों का पूजन होगा, मां नर्मदा को चुनरी अर्पण करके यात्रा शुरू होगी।

पुलिस ट्रेनिंग सेंटर्स में गीता का पाठ पढ़ाने पर सियासत, जीतू- सिंघार ने भी सरकार को घेरा

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर्स में अब रंगरूटों को भगवद गीता का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। पुलिस मुख्यालय की ट्रेनिंग शाखा ने प्रदेश के सभी आठ ट्रेनिंग सेंटर्स में यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि नए आरक्षकों के लिए गीता पाठ सत्र शुरू किए जाएं, ताकि उनमें नेक और अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा विकसित हो। यह आदेश एडीजी ट्रेनिंग राजा बाबू सिंह ने 3 नवंबर को जारी किया है। फिलहाल प्रदेश के आठों ट्रेनिंग स्कूलों में करीब 4 हजार पुरुष-महिला नवआरक्षक 9 महीने की बेसिक ट्रेनिंग ले रहे हैं। नवआरक्षकों की ट्रेनिंग की शुरुआत में एडीजी ने रामचरितमानस का पाठ कराने के निर्देश दिए थे। तब उन्होंने कहा था कि धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन से रंगरूटों में अनुशासन, चरित्र निर्माण और कर्तव्यनिष्ठा की भावना मजबूत होती है।

मुस्लिम स्कॉलर ने जताई आपत्ति- मुस्लिम स्कॉलर ने इस मामले पर आपत्ति जताई है। मुस्लिम स्कॉलर का कहना है कि पुलिस देश की रक्षक है। एक धर्म विशेष को थोपने की कोशिश मत करो। वहीं इस मामले पर सियासत भी गरमाने लगी है। कांग्रेस ने सरकार से कई सवाल उठाए है पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि गीता किसी धर्म की नहीं है, कृष्ण ने जो संदेश दुनिया को दिया...वह जीवन शैली को सुकून से, न्याय से जीने का दिया। उससे ज्ञान से किसी को भी मिले उसे पर आपत्ति नहीं है...लेकिन मोहन यादव सिर्फ धार्मिक बातें ही करेंगे या रोजगार की भी बात करेंगे। प्रदेश क्राइम से मुक्त हो उसके बारे में कब बात करेंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि गृह विभाग के मुखिया मुख्यमंत्री को लगता है कि गीता पढ़ने से ही प्रदेश में सुरक्षा हो सकती है तो सरकार हर थाने में सिर्फ गीता पढ़ाये और प्रदेश के लोगों को सुरक्षित कराएं।

आसमान छू रही विश्वकप विजेता बेटियों की ब्रांड वैल्यू

भोपाल (एजेंसी) ● महिला क्रिकेट विश्वकप विजेता बेटियों की ब्रांड वैल्यू आसमान छूने लगी है। लाखों से शुरू हुआ सफर करोड़ों में पहुंच गया है। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा जैसी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है। इन खिलाड़ियों का कामकाज संबंध फर्मों के अनुसार विश्वकप में धमाकेदार जीत के बाद व्यक्तिगत रूप से एक करोड़ से अधिक के विज्ञापन सौदों में तब्दील होंगे। मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली

महिला क्रिकेट को मिलेगी मजबूती शीर्ष- बेसलाइन वेंचर्स के एमडी और सह- संस्थापक तुहिन मिश्रा तथा शैफाली और मा का प्रबंधन करने वाले जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक करण यादव ने बताया कि जीत के बाद कई खिलाड़ियों का विज्ञापन

मूल्य दो से तीन गुना तक बढ़ गया है। प्रबंधन फर्मों के अनुसार इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन का चेहरा बनाने के लिए कंपनियां कतार में खड़ी हैं। खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू में 25-55 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों की कीमत और अधिक हो सकती है। यह जीत वाणिज्यिक बाजार में महिला क्रिकेट को मजबूत करेगी। महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और प्रशंसकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी से भी महिला खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू में इजाफा हुआ है।

फूलमाली सैनी समाज का अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह 16 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फूलमाली सैनी समाज छावनी का दीपावली मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव 16 नवंबर को छावनी नसिया रोड स्थित मोदी परिसर पर आयोजित किया जा रहा है। समाज के अध्यक्ष रामगोपाल सैनी एवं मंत्री मनोहर सैनी ने बताया कि इस अवसर पर भगवान श्रीनाथजी को 56 भोग समर्पित कर सभी समाजबंधुओं को दीपोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएँ दी जाएंगी। मोदी परिसर पर सुसज्जित मंच पर भगवान श्रीनाथजी का आकर्षक श्रृंगार कर महाआरती के पश्चात अन्नकूट महाप्रसादी का सिलसिला प्रारंभ होगा।

देपालपुर में होगा कुश्ती का महादंगल-हिंदूवादी नेता राजेंद्र चौधरी क्षेत्र में फिर सक्रिय

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ●युवा दिवस के उपलक्ष्य में देपालपुर नगर में मध्यप्रदेश केसरी का बड़ा आयोजन होगा यह आयोजन देपालपुर के हिंदूवादी नेता जबरेश्वर सेना के संरक्षक राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में होगा इसमें मध्य प्रदेश के कई जिलों से नामी पहलवान मेट कुश्ती के लिए देपालपुर पहुंचेंगे आयोजन की तैयारी शुरू हो चुकी है। तीन दिवस के मेट कुश्ती में छोटे से लेकर बड़े पहलवान भाग्य आजमाएंगे। हिंदूवादी नेता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह भी देपालपुर पधारेंगे साथ ही कार्यक्रम को लेकर बड़े स्तर पर तैयारी चल रही है। हमने देपालपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में जो छात्र-छात्राएं प्रतिभाशाली है। वह किसी भी फील्ड से हो जिसका लगाऊं कुश्ती से हो कबड्डी से हो क्रिकेट से हो समाज सेवा से हो उनका भी हम इस आयोजन में सम्मान

करेंगे। साथ ही प्रदेश की कुश्ती अकादमी और अखाड़ों को विशेष निमंत्रण दिया जाएगा देखा जाए तो देपालपुर में पहली बार मेट कुश्ती का इतना बड़ा आयोजन होने जा रहा है। जिसमें प्रदेश भर के पहलवान देपालपुर पहुंचेंगे जो कि दिनांक 10,11,12 जनवरी को होगा। हिंदूवादी नेता राजेंद्र चौधरी लगातार देपालपुर क्षेत्र में सक्रिय है छोटे-बड़े कार्यक्रमों में लगातार पहुंच रहे है। चौधरी ने देपालपुर में जबरेश्वर महादेव मंदिर के निर्माण करवाने का संकल्प गांव गांव में दिलाया था साथ ही देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में चौधरी ने सामाजिक समरसता भोज का आयोजन भी प्रत्येक गांव में किया था पूर्व में हुए विधानसभा चुनाव में चौधरी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी और चालीस हजार लगभग वोट विधानसभा चुनाव में चौधरी को मिले थे। बहुत ही कम समय में युवाओं की लंबी फौज चौधरी ने देपालपुर में तैयार की है इन्हीं के सहयोग से लगातार क्षेत्र में चौधरी छोटे-मोटे आयोजन करते रहते हैं लेकिन इस बार देपालपुर में कुश्ती का महा दंगल होने वाला है जिसको लेकर चौधरी क्षेत्र में लगातार सक्रिय है। इस आयोजन से राजनीतिक बाजार भी गर्म हो गया क्योंकि देपालपुर के कही नेता अपनी जगह छोड़कर दूसरी जगह राजनीति कर रहे हैं लेकिन चौधरी ने देपालपुर को नहीं छोड़ा और आज भी वह कहते हैं कि मूल रूप से में देपालपुर का रहने वाला हूं समाज सेवा भी देपालपुर में ही करूंगा और राजनीति भी चाहे हारू या जीतू क्योंकि देपालपुर मेरी जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों ही रही है। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि एक बार फिर देपालपुर विधानसभा में चौधरी सक्रिय दिखाई दे रहे हैं हमेशा फोन चालू आम जनता को आसानी से मिलना उनकी पहली प्राथमिकता रही है।

रजिस्ट्रेशन नर्सिंग प्रमाण गुम की सूचना

मैं अश्विनी प्रजापत पिता श्री राधेश्याम प्रजापत एमवायएच चिकित्सालय में नर्सिंग आफिसर के पद पर कार्यरत हूं। मेरा नर्सिंग रजिस्ट्रेशन मेरे घर से गुम हो गया हैं, बहुत तलाशने पर नहीं मिल पाया। इस हेतु मुझे नया रजिस्ट्रेशन बनवाने हेतु पुलिस थाने में सूचना देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैं।

मेरे नर्सिंग रजिस्ट्रेशन गुम हो जाने की सूचना हेतु यह सूचना प्रकाशित की जा रही है, ताकि मेरे गुम हुए रजिस्ट्रेशन का दुरुपयोग न किया जा सके और भविष्य में इस संबंध में कोई भी वाद-विवाद न हो।

अश्विनी प्रजापत
नर्सिंग आफिसर, एमवायएच, इंदौर, 1111,
भागीरथपुरा, चिराड़ महोल्ला, इंदौर (मप्र)
मो.9630446866

सम्पादकीय

अमेरिका में जनता का संदेश साफ – प्रवासियों के पक्ष में जनादेश, ट्रंप की नीतियों को झटका

अमेरिका में राज्य स्तरीय चुनावों के नतीजों से एक स्पष्ट आहट सुनी जा सकती है। यह एक ओर प्रवासियों के पक्ष में जनादेश है, तो दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विवादित नीतियों के खिलाफ संदेश भी। न्यूयार्क के महापौर से लेकर कई राज्यों के गवर्नरों और स्थानीय चुनावों के आए परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिकी समाज विविधता एवं समरसता की संस्कृति को ही पसंद करता है और उसे किसी की मनमानी पसंद नहीं। इस लिहाज से देखें, तो प्रवासियों को मुद्दा बना कर अपने फैसले पर अड़े दिख रहे ट्रंप के लिए ये चुनावी नतीजे एक झटके की तरह हैं। उनकी तमाम तल्खियों और धमकियों के बावजूद न्यूयार्क में जोहरन ममदानी मेयर का चुनाव जीत गए। न्यूयार्क में बीते पचास वर्षों में सबसे अधिक मतदान हुआ। यह एक बड़ा घटनाक्रम है। इससे प्रतीत होता है कि तमाम बाधाओं और उतार-चढ़ाव के बावजूद समुदाय विशेष की राजनीति से ऊपर उठ कर अमेरिका आगे बढ़ने के लिए तैयार है। न्यूयार्क से लेकर वर्जीनिया, मिसिसिपी, केंटकी और ओहायो के सिनसिनाटी शहर में हुए चुनाव में जहां डेमोक्रेटिक पार्टी का दबदबा दिखा, वहीं भारतवंशियों का भी खूब बोलबाला रहा। खास बात यह है कि इन नतीजों के बाद अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर फिर से उत्साह लौट आया है और खुद हिलेरी क्लिंटन ने नतीजों को लोकतंत्र की जीत बताया है। इसी के साथ यह भी स्पष्ट हो गया है कि देश वास्तव में क्या चाहता है। दरअसल, न्यूयार्क एक प्रवासी के नेतृत्व वाला शहर बन गया है। जोहरन ममदानी ने जीत के बाद कहा भी कि यह शहर प्रवासियों का ही था। गौरतलब है कि इस भारतवंशी नेता को हराने ने लिए राष्ट्रपति ट्रंप ने पूरी ताकत झोंक दी थी। बावजूद इसके उनका जीतना यह साबित करता है कि न्यूयार्क के मतदाता मौजूदा सत्ता से किस कदर नाखुश हैं और वे मानते हैं कि अमेरिका प्रवासियों का भी देश है। यह उनके इस भरोसे और उम्मीद की भी जीत है, जो यह मानता है कि देश निरंकुशता से नहीं चलता। समझा जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के लिए आगे का रास्ता निर्बाध नहीं होने जा रहा है। इन चुनावी नतीजों को रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक सबक की तरह भी देखा जा रहा है।

पूरे विश्व में भारतीय आर्थिक दर्शन को लागू करने का समय अब आ गया है

भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक थर्ड वे आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है।

आज, वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है।

भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक थर्ड वे आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है।

भारतीय आर्थिक दर्शन में विपुलता के सिद्धांत की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अत: वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अत: भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की

अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में 40/50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था। चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्धि रहती थी, अत: इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नयंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है।

प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत का अनुपालन सुनिश्चित होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजार में उत्पादों के विक्रेताओं के बीच में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। उत्पाद बेचने वाले स्थानीय विक्रेताओं की पर्याप्त संख्या रहती थी एवं साथ ही इनके बीच अपने अपने उत्पाद बेचने की प्रतिस्पर्धा रहती थी ताकि अपने अपने उत्पाद शीघ्र ही बेचकर वे अपने अपने ग्रामों में सूरज डूबने के पूर्व वापिस पहुंच सकें। इस प्रकार के कारणों के चलते कई बार तो विक्रेता अपने उत्पादों को सस्ते भाव में बेचना चाहता था अत: बाजार में उत्पादों के मूल्यों में कमी भी दिखाई देती थी। आज, वैश्विक स्तर पर निगमित क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तो एक तरह से दिखाई ही नहीं देती है बल्कि वे आपस में मिलकर उत्पादक संघ (कार्टेल) का निर्माण कर लेती हैं और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों के बाजार मूल्यों को अपने पक्ष में नियंत्रित किया जाता हैं ताकि वे इन उत्पादों के व्यापार से अपने लिए अधिकतम लाभ का अर्जन कर सकें। इस पूंजीवादी नीति से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में तो वृद्धि होती है परंतु आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अत: उक्त पूंजीवादी आर्थिक नीति के चलते आम नागरिकों पर निर्मित होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की दृष्टि से विक्रेताओं द्वारा लाभ अर्जन के संदर्भ में भी भारतीय आर्थिक दर्शन के नियमों का अनुपालन किया जा सकता है।

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य सिद्धांत के अंतर्गत, विक्रेता द्वारा स्वयं के द्वारा निर्मित वस्तु की उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए एवं यदि उस वस्तु का निर्यात किसी अन्य देश को किया जा रहा है तो उस वस्तु के उत्पादन लागत पर 10 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए। इस नीति के अनुपालन से प्राचीन भारत में विभिन्न उत्पादों के बाजार मूल्य लम्बे समय तक स्थिर रहते थे एवं इनके मूल्यों में वृद्धि लगभग नहीं के बराबर दिखाई देती थी। आज पूंजीवादी नीतियों के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों के विक्रय मूल्यों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। विशेष रूप से दवाईयों के मूल्य के सम्बंध में नीति का उल्लेख यहां किया जा सकता है। केन्सर एवं दिल की बीमारी से सम्बंधित दवाईयों के बाजार मूल्य लाखों रुपयों में तय किए जाते हैं क्योंकि इन दवाईयों को बेचने का एकाधिकार पैटेंट कानून के अंतर्गत केवल इन दवाईयों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के पास रहता है। केवल लाभ कमाना ही इन कम्पनियों का मुख्य उद्देश्य है, जबकि सनातन हिंदू संस्कृति में किसी अस्वस्थ नागरिक को दवाई उपलब्ध कराने का कार्य सेवा कार्य की श्रेणी में रखा गया है। उक्त वर्णित दवाईयों की बाजार में उपलब्धता बढ़ाकर एवं इन दवाईयों के विक्रय मूल्य को नयंत्रित रखकर कई जीवन बचाए जा सकते हैं। परंतु, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत तो लाभ कमाना ही मुख्य उद्देश्य है।

आज विश्व के कई देशों में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती हुए दिखाई दे रही है एवं इन देशों के पास बेरोजगारी की समस्या को हल करने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा है। भारत के प्राचीन ग्रंथो में बेरोजगारी की समस्या के संदर्भ के किसी प्रकार का जिक्र भी नहीं मिलता है। स्वयं के नियोजन के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उस समय पर विभिन्न परिवारों द्वारा स्थापित अपने उद्यमों को ही आगे आने वाली पीढ़ी आगे बढ़ाती जाती थी, इससे युवाओं में नौकरी करने का प्रचलन भी नहीं था। अपने पारम्परिक व्यवसाय में ही युवा पीढ़ी रत हो जाती थी अत: बेरोजगारी की समस्या भी बिलकुल नहीं पाई जाती थी। आज पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत कोरपोरेट जगत की स्थापना के चलते नागरिकों में नौकरी का भाव जागृत किया गया है। आज प्रत्येक युवा नौकरी की कतार में लगा हुआ दिखाई देता है, लगभग 30 वर्ष की आयु होते होते जब उसे उसकी चाहत के अनुसार नौकरी नहीं मिल पाती है तो वह अपने जीवन के लिए समझौता कर लेता है और किसी भी संस्थान में किसी भी प्रकार की नौकरी करने को मजबूर हो जाता है। कई इंजीनियर एवं पोस्ट ग्रैजूएट युवा, मजबूरी में आज विभिन्न उत्पादों की डिलीवरी करने एवं टैक्सी चलाने जैसे कार्यों को भी करते हुए दिखाई देते हैं। आज यदि अपने पुश्तैनी व्यवसाय को यह युवा आगे बढ़ा रहे होते तो सम्भवत: उनकी आमदनी भी अधिक होती और उक्त प्रकार के कार्य करने हेतु वे मजबूर भी नहीं होते।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में शून्य ब्याज दर के सिद्धांत का भी वर्णन मिलता है। राज्यों के पास धन के भंडार भरे रहते थे एवं समाज में यदि किसी नागरिक को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए धन की आवश्यकता रहती थी तो वह राजा से धन उधार लेकर अपना व्यवसाय स्थापित कर सकता था एवं राजा द्वारा नागरिकों को दी गई उधार की राशि पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं लिया जाता था। क्योंकि, यह उस राज्य के राजा का कर्तव्य माना जाता था कि वह अपने राज्य के नागरिकों को उचित मात्रा में व्यवसाय करने के लिए धन उपलब्ध कराए। इस प्रकार, भारत के प्राचीन खंडकाल में ब्याज की दर भी शून्य रहा करती थी। इससे, स्थानीय नागरिक भी अपना व्यवसाय स्थापित करने की ओर प्रेरित होते थे एवं नौकरी करने का चलन नहीं के बराबर रहता था।

– प्रहलाद सबनानी

आंचलिक

शीतलहर का असर, तापमान 14.2 डिग्री दर्ज, उत्तरी हवाओं से बढ़ी ठिठुरन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन • खरगोन में उत्तरी हिस्से से आ रही बर्फीली हवाओं का असर देखा जा रहा है, जिससे शीतलहर चल रही है और ठिठुरन बढ़ गई है। रविवार सुबह का तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। वहीं, दिन के तापमान में भी 3 डिग्री की गिरावट हुई है। मौसम वैज्ञानिकों ने आगामी एक सप्ताह तक शीतलहर जारी रहने की संभावना जताई है।

सुबह कोहरा, फसलों पर जमी ओस

रविवार की सुबह हल्के कोहरे और शीतलहर के साथ हुई। ठंड का असर इतना रहा कि खेतों में फसलों पर ओस की बूंदें भी जमी हुई दिखीं।

रात के पारे में 3 डिग्री की गिरावट

पिछले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। रविवार रात का तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि शनिवार को यह 15.2 डिग्री, शुक्रवार को 16.3 डिग्री और गुरुवार को 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

दिन का तापमान भी 3 डिग्री गिरा

इसी तरह, दिन के अधिकतम तापमान में भी गिरावट आई है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस था, जो रविवार को 3 डिग्री सेल्सियस गिरकर 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे दिनभर ठंडक बनी हुई है।

एक सप्ताह तक जारी रहेगी शीतलहर

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आगामी एक सप्ताह तक शीतलहर का जोर जारी रहेगा। इसके चलते तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

कारोबारी के घर से 17 लाख की चोरी, चौथी बार वारदात; 12 लाख नकद और 7 तोला सोना गायब

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन • नीमरानी में कारोबारी योगेश अग्रवाल के घर शनिवार रात लगभग 17 लाख रुपए की चोरी हुई है। बदमाशों ने 12 लाख रुपए नकद और करीब 7 तोला सोने के आभूषण चुरा लिए। परिवार को रविवार सुबह जागने पर घटना का पता चला, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही खलटाका चौकी प्रभारी अजय दुबे और बलकवाड़ा थाना प्रभारी रितेश यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के लिए फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया। उन्होंने मकान और दुकान से फिंगरप्रिंट सैंपल लिए हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों की तलाश कर रही है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। तिरुपति ट्रेडर्स के संचालक योगेश अग्रवाल ने बताया कि चोरी हुए 12 लाख रुपए दिनभर का कलेक्शन था। इसके अलावा, उनकी मां की अलमारी में रखे 7 तोला सोने और चांदी के आभूषण भी चोरी हो गए। अग्रवाल ने यह भी बताया कि उनके घर में यह चौथी

बार चोरी की वारदात हुई है। बलकवाड़ा थाना अंतर्गत खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस बड़ी वारदात ने पुलिस गश्त पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले भी डेढ़ लाख रुपए की चोरी हुई थी, तब बदमाश सीसीटीवी का डीवीआर ले गए थे। इस बार वे वाईफाई डिवाइस चुरा ले गए। यह वारदात लगभग 3:15 बजे के आसपास हुई। बदमाशों के भागने पर रात में पुलिस ने उनका पीछा कर खोजबीन भी की थी। खलटांका चौकी पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वफ्क कमेटी ने गांव को वफ्क संपत्ति बताया, पंचायत ने दरगाह को अतिक्रमण बताया था, सरपंच-सचिव की पेशी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा जिले के सिहाड़ा गांव में जमीन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। वक्फ बोर्ड ट्रिब्यूनल ने 10 हजार आबादी वाले पूरे गांव को अपनी संपत्ति बताते हुए कलेक्टर, सरपंच और सचिव को नोटिस देकर 10 नवंबर को भोपाल तलब किया है। सिहाड़ा ग्राम पंचायत ने सरकारी कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए दरगाह को अतिक्रमण बताते हुए हटाने का नोटिस जारी किया था। सरपंच का कहना है कि दरगाह पंचायत की जमीन पर बनी है और अतिक्रमण में आती है। इसी कार्रवाई के बाद दरगाह कमेटी सीधे वक्फ बोर्ड पहुंच गई और बोर्ड ने दावा कर दिया कि पूरी जमीन वक्फ संपत्ति है। दरगाह कमेटी के कोषाध्यक्ष

शेख शफी ने अपनी शिकायत में लिखा है कि पूरी जमीन वक्फ संपत्ति है, जिसका प्रकाशन 25 अगस्त 1989 के राजपत्र में हुआ है। यह जमीन करीब 300 साल पुरानी बताई गई है और वक्फ बोर्ड भोपाल में सीरियल नंबर 331 पर दर्ज है। सरपंच कोकिलाबाई और सचिव देवराज सिंह सिसोदिया को वक्फ बोर्ड ट्रिब्यूनल की ओर से नोटिस मिला है। ट्रिब्यूनल ने पूरे गांव की जमीन को वक्फ संपत्ति बताते हुए 10 नवंबर को पेश होने का आदेश दिया है।

सरपंच प्रतिनिधि हेमंत चौहान ने कहा कि यह जमीन पूरी तरह शासकीय है, यहां मकान और मंदिर भी बने हैं। वक्फ बोर्ड का दावा मनगढ़ंत और झूठा है। अभी तक उन्होंने कोई प्रामाणिक दस्तावेज भी नहीं दिए हैं। जिला वक्फ बोर्ड कमेटी के सचिव रियाज खान ने सरपंच पक्ष के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा हमने पूरे गांव की जमीन पर दावा नहीं किया, बल्कि 39 हजार स्क्वायर फीट जमीन पर दावा किया है। ग्राम पंचायत इस जमीन पर दुकानों का निर्माण करना चाहती है, इसलिए अतिक्रमण का नोटिस भेजा गया। सरपंच प्रतिनिधि लोगों को गुमराह कर रहे हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि इस विवाद से गांव में तनाव और भ्रम की स्थिति बन गई है। वे चाहते हैं कि प्रदेश सरकार और प्रशासन तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति स्पष्ट करें, ताकि लोग बेघर होने के भय से मुक्त हों।

महिला को इंस्टा पर हाय भेजा, युवक की जमकर पिटाई, खंडवा में पड़ोसन का परिवार टूट पड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • एक महिला को सोशल मीडिया पर मैसेज भेजना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। पड़ोसी में रहने वाले महिला के परिवार ने उसकी पिटाई कर दी। इतना पीटा कि उसे लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने उसे आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया और अस्पताल लेकर आई। इलाज के दौरान हाथ-पैर में फ्रैक्चर होना पाया गया है, वहीं सिर में 7 टांके आए हैं। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई हैं। मामला खंडवा के थाना मोघट रोड़ क्षेत्र के ग्राम अहमदपुर खैगांव का हैं। जिला अस्पताल में घायल हालत में भर्ती दिनेश पाल ने बताया कि, रविवार की सुबह उसके पड़ोसी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर उसे फॉलो किया। फिर उसने भी फॉलो बैक करते हुए उसे मैसेज में ।द्बद्ब लिखकर भेज दिया। उक्त अकाउंट पड़ोस में रहने वाले पुरूष के नाम से था। यह मैसेज करने के बाद वह खेत पर चले गया। कुछ देर बाद वहां पड़ोसी अपने कुटुम्ब के लोगों के साथ आया और मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी।दिनेश ने बताया कि, मैंने मारपीट का विरोध किया और उनसे पूछा कि मुझे पीट क्यों रहे हो, वे कहने लगे कि तू हमारे परिवार की महिला के साथ छेड़छाड़ करता है। इंस्टाग्राम पर मैसेज करता है। इसलिए तुझे सबक सिखाने आए हैं। मुझे लाठी-डंडों से इतना पीटा कि लहूलुहान कर दिया। फिर खेत से उठाकर गांव में ले गए और गांव के मंदिर के सामने भी मेरे साथ मारपीट की। वे लोग गांव में एक पेड़ पर मुझे लटकाने वाले थे कि मेरी मां ने पुलिस को सूचना कर दी थी। इसी दौरान डायल 100 आ गई और मुझे अस्पताल लाया गया। मामले में थाना मोघट रोड़ टीआई धीरेश धारवाल का कहना है कि, इस मामले में फरियादी ने शिकायत की है। उसने कई लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है।

खरगोन छात्र की मौत, 2 माह बाद भी कार्रवाई नहीं:परिजन बोले- सीबीआई जांच होना चाहिए

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन •महाराष्ट्र के शिरपुर स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज के हॉस्टल में खरगोन के 20 वर्षीय बीटेक थर्ड सेमेस्टर छात्र अथर्व पुरोहित की संदिग्ध मौत हो गई थी। घटना के दो माह बाद भी महाराष्ट्र पुलिस की ठोस कार्रवाई न होने से परिजनों में रोष है। रविवार को राष्ट्रपति के नाम एसडीएम वीरेंद्र कटारे को पत्र सौंपकर मामले की सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्रियों से भी न्याय की गुहार लगाई है। अथर्व की 14 सितंबर 2025 को शिरपुर में हॉस्टल के कमरे में मौत हुई थी। घटना के बाद कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ छात्रों ने प्रदर्शन भी किया था। अथर्व के पिता अमिय पुरोहित ने कहा दो माह बाद भी पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्हें मर्ग की कॉपी और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सहित अन्य दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए। पुलिस जांच किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। पुलिस साक्ष्य छिपाकर मामले को खत्म करने की तैयारी में है। उन्होंने पुलिस निरीक्षक किशोर कुमार परदेशी पर मामले को रफा-दफा करने का आरोप लगाया। अथर्व के चाचा आशुतोष पुरोहित ने बताया कि 13 अक्टूबर 2025 को शिरपुर थाने में एक रिमाइंडर देकर हत्या या आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में कार्रवाई का आग्रह किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी किशोर कुमार परदेशी और जांच अधिकारी हेमंत पाटिल कॉलेज प्रबंधन के दबाव में जांच में रुचि नहीं ले रहे हैं। खानापूर्ति के लिए कुछ छात्रों के बयान लिए गए।

संजू सैमसन के बदले राजस्थान रॉयल्स ने सीएसके से मांग लिए जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी) ● इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीजन के लिए एक बड़ा प्लेयर ट्रेड चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स अपने दो स्टार खिलाड़ियों रविंद्र जडेजा और संजू सैमसन को आपस में बदलने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, राजस्थान रॉयल्स द्वारा एक अतिरिक्त खिलाड़ी की मांग के कारण यह 18 करोड़ रुपए का संभावित स्वैप अटक गया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान रॉयल्स इस सीधे स्वैप डील में सिर्फ रविंद्र जडेजा को ही नहीं, बल्कि सीएसके के युवा साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस को भी शामिल करना चाहती है। ब्रेविस ने फ्रेंचाइजी सर्किट में अपनी धाक जमाई है और आरआर का मानना है कि जडेजा को लेने के लिए उन्हें कुछ अतिरिक्त एसेट की जरूरत होगी, ताकि यह डील संतुलित हो सके। सीएसके हालांकि इस मांग को मानने के लिए तैयार नहीं है। फ्रेंचाइजी का स्पष्ट कहना है कि वे इस ट्रेड में किसी भी अतिरिक्त खिलाड़ी को शामिल नहीं करेंगे, खासकर युवा और प्रतिभाशाली डेवाल्ड ब्रेविस को। सीएसके का तर्क है कि जडेजा, जो दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक हैं, अपने आपमें एक बहुत बड़ा एसेट हैं और उनकी कीमत 18 करोड़ रुपए है।

सबालेंका को हराकर एलिना राइबकिना की डब्ल्यूटीए फाइनल्स में दमदार जीत

नई दिल्ली (एजेंसी) ● कजाकिस्तान की टेनिस खिलाड़ी एलिना राइबकिना ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस ईयर एंडिंग टूर्नामेंट के फाइनल में छठी सीड राइबकिना ने वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को लगातार सेट में 6-3, 7-6 से हराया। 26 साल की राइबकिना पहली बार यह खिताब जीतने में सफल रहीं। उन्होंने टूर्नामेंट में सभी पांचों मुकाबले जीते। इसी के साथ उन्हें 46 करोड़ रुपए की प्राइज मनी मिली। राइबकिना ने टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर-1 (सबालेंका)और वर्ल्ड नंबर-2 (इगा स्वातेक) दोनों को हराया। यह उनके करियर का 11वां टाइटल है। उन्होंने इस साल तीसरी बार कोई ट्रॉफी उठाई। साबालेंका ने तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीसी फाइनल्स के खिताब के लिए क्वॉलिफाई किया था।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहले से की गयी तैयारी का लाभ मिला : अभिषेक

ब्रिसबेन (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वूर्ण भूमिका निशाने वाले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उन्होंने इसके लिए पहले से तैयारी की थी जिसका उन्हें लाभ मिला। अभिषेक के अनुसार उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाया था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में सफल रहे। वह अपनी बल्लेबाजी को ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के सामने परखना भी चाहते थे।

अभिषेक ने इस सीरीज में पांच मैच में 163 रन बनाए। सीरीज में बारिश के कारण तीन ही मैच हुए जबकि दो मैच रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट का काफी समय से इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तभी से मैं इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं अपने को इस तरह की गेंदबाजी और हालातों के लिए तैयार करना चाहता था।

उनका प्रयास विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर ध्यान देना भी था। पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने के कारण खेलने में हुई आसानी को लेकर अभिषेक ने कहा, 'अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं। वहीं बल्लेबाजी में अति-आक्रामक रवैये को लेकर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था।

रणवीर सिंह ने 'धुरंधर' से अर्जुन रामपाल का लुक किया शेयर

मुंबई (एजेंसी) ● रणवीर सिंह ने फिल्म धुरंधर से अर्जुन रामपाल का लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है। रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर चर्चा में हैं। आदित्य धर के निर्देशन में बन रही फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह के अलावा आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का ट्रेलर भी जल्द ही आने वाला है।इस बीच रणवीर सिंह ने अर्जुन रामपाल का एक शानदार लुक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया, जो काफी वायरल हो रहा है। अर्जुन रामपाल का 'धुरंधर' लुक फैंस के बीच चर्चा में है। रणवीर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अर्जुन रामपाल का दमदार लुक शेयर किया। इस पोस्ट के साथ रणवीर सिंह ने कैप्शन में लिखा, धुरंधर का ट्रेलर 12 नवंबर को 12.12 बजे आएगा। इस पोस्टर में अर्जुन रामपाल को इंटेंस लुक में देखा जा सकता है. जैकेट, चश्मे और इंटेंस लुक के साथ अर्जुन का ये किलर अंदाज फैंस को खूब भा रहा है। फिल्म धुरंधर05 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'बाहुबली' से बनी अनुष्का शेट्टी की पहचान

मुंबई (एजेंसी) ● अनुष्का शेट्टी ने कई सालों से अपनी अलग पहचान स्थापित की है। सिर्फ बड़े सितारों के साथ रोमांस या हिट फिल्में करना ही उनका मकसद नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने दम पर महिला केंद्रित फिल्मों में भी नाम कमाया। साइज जीरो, रूद्रमादेवी और घाटी जैसी फिल्मों में उन्होंने यह साबित कर दिया कि एक मजबूत किरदार और कड़ी मेहनत से किसी भी हीरोइन के लिए अपने दम पर फिल्म हिट करना संभव है। अनुष्का शेट्टी ने अपनी अदाकारी और मेहनत के दम पर हर किसी का दिल जीता है। हिंदी सिनेमा के दर्शक उन्हें सबसे ज्यादा फिल्म बाहुबली से पहचानते हैं। उनका असली नाम स्वीटी शेट्टी है। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं था। वह बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में आगे थीं। उनकी खूबसूरती और व्यक्तित्व ने उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाया। फिल्मों में आने से पहले अनुष्का योगा इंस्ट्रक्टर के रूप में काम करती थीं। उनकी फिटनेस और स्टाइल को देखकर एक डायरेक्टर ने उन्हें फिल्म का ऑफर दिया और इसी से उनका सिनेमा का सफर शुरू हुआ।

उज्जैन संभाग

महाकाल की तीसरी सवारी में भगवान चंद्रमौलेश्वर पालकी में नगर भ्रमण पर निकलेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर से भगवान महाकाल की मार्गशीर्ष माह की पहली और कार्तिक-अगहन माह की तीसरी सवारी सोमवार, शाम 4 बजे निकलेगी। इस दौरान भगवान श्री चन्द्रमौलीश्वर स्वरूप में पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

सवारी से पूर्व मंदिर परिसर के सभामंडप में भगवान श्री चन्द्रमौलीश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया जाएगा। शाम चार बजे पूजन के बाद भगवान श्री चन्द्रमौलीश्वर रजत पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवान भगवान को सलामी (गॉड ऑफ ऑनर) देंगे। सवारी में तोपची, कडाबीन, पुलिस बैंड, घुड़सवार दल, सशस्त्र पुलिस बल के जवान, श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति का बैंड, भजन मंडली के सदस्य, पंडे-पुजारी और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे। परंपरा अनुसार सवारी मंदिर से प्रारंभ होकर महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंचेगी। रामघाट पर मां शिप्रा के जल से भगवान श्री चन्द्रमौलीश्वर का अभिषेक किया जाएगा। अभिषेक के उपरांत सवारी रामघाट से गणगौर दरवाजा, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार होते हुए पुन: श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचेगी।

सिंहस्थ के निर्माण कार्य शुरू हों, बैठक में कुम्भ से पहले शिप्रा नदी पर चल रहे कार्यों को जल्द पूरा करने की उठी मांग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बड़नगर रोड स्थित निरंजनी अखाड़े में सिंहस्थ कुम्भ के लिए शनिवार को स्थानीय अखाड़ा परिषद की बैठक हुई। साधु संतो ने उज्जैन कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सिंहस्थ कुम्भ मेला क्षेत्र में स्थाई ड्रेनेज सिस्टम और चौड़ी सड़कें जल्द बनाने की मांग की। संतों की मांग थी कि कुम्भ में ज्यादा समय नहीं बचा है। स्थाई निर्माणों को जल्द शुरू नहीं किया गया तो बाद में देरी हो जाएगी।

निर्माण कार्यों से बाधा दूर करने मांग

आगामी 18 नवम्बर से भारतीय किसान संघ लैंड पुलिंग के विरोध में बड़ा आंदोलन करने जा रही है। इससे पहले साधु संतो ने कुम्भ की जमींन पर स्थाई सड़कें और ड्रेनज बनाने का समर्थन करते हुए जल्द ही निर्माण शुरू करे की मांग की है।

राहुल कटारिया ने बताया कि निरंजनी अखाड़े में हुई स्थानीय अखाडा परिषद की बैठक में लैंड पुलिंग से लेकर आश्रम के विकास कार्य पर चर्चा हुई। शिप्रा नदी पर चल रहे सभी कार्य पुरे कराने नदी में मिल रहे नालों को डायवर्ट करने और कुम्भ के स्थाई निर्माण कार्य सड़क और ड्रेनज के कार्य में बाधा को तुरंत दूर कर स्थायी निर्माण शुरू करने की मांग की है।बैठक में स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रामेश्वर दास, महामंत्री रामेश्वर गिरी, आनंद पूरी, भगवान दास, सेवा गिरी, निर्मल अखाड़ा ,जूना अखाड़ा, निरंजनी अखाड़ा के संत मौजूद रहे।

सिंहस्थ के लिए कब समय कम

महामंत्री रामेश्वर गिरी ने बताया कि आज की मीटिंग सिंहस्थ-2028 के लिए रखी थी। कुम्भ के लिए सीवरेज की लाइन कैंपस कई प्रस्ताव पारित हुए। कुम्भ मेला क्षेत्र में सड़क, सीवरेज पक्के बननी चाहिए, चौड़ी सड़कों का निर्माण होना चाहिए। कलेक्टर रौशन सिंह ने कहा- संत समाज की बैठक थी। अखाड़ा परिषद के संत ने ज्ञापन दिया है। कुम्भ के निर्माण जल्द शुरू करने की मांग की है। हमने एक आदेश जारी किया है किसी भी भूमि स्वामी की जमीं लैंड पुलिंग में शामिल नहीं की जाएगी।

सिंहस्थ 2028 के लिए कार्तिक मेले में हो रहा मॉड्यूलर टॉयलेट का डेमोंस्ट्रेशन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन स्मार्ट सिटी ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को नए आयाम देने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इसी क्रम में कार्तिक मेले में मॉड्यूलर टॉयलेट्स का डेमोंस्ट्रेशन किया जा रहा है।सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालु के उज्जैन आने की संभावना है, जिनके लिए शहर में एक लाख से ज्यादा मॉड्यूलर टॉयलेट लगाए जाने की योजना है। तैयारियों को परखने के लिए कार्तिक मेले में 36 मॉड्यूलर टॉयलेट लगाए हैं। हर कंपनी ने अलग-अलग मॉडल लगाए हैं। स्मार्ट सिटी द्वारा इन टॉयलेट्स के चयन के लिए पहले ईओआई (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) जारी किया था। ईओआई दरअसल एक शुरुआती दस्तावेज होता है, जिसके माध्यम से स्मार्ट सिटी संभावित आपूर्तिकर्ताओं से उनकी तकनीकी क्षमता और प्रोजेक्ट में रुचि के बारे में जानकारी जुटाती है। इसी प्रक्रिया के तहत देशभर की करीब 6 कंपनियों ने सिंहस्थ में टॉयलेट लगाने में रुचि दिखाई थी, जिसके बाद उन्हें कार्तिक मेले में अपने प्रोटोटाइप लगाने का मौका दिया है। कंपनियां बिना किसी शुल्क के अपने मॉडल प्रदर्शित कर रही है।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स, प्रतियोगी व बोर्ड परीक्षाओं के लिए बताया टाइम मैनेजमेंट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने रविवार को दशहरा मैदान स्थित जिला ग्रंथालय के सभागार में 150 विद्यार्थियों को प्रतियोगी और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को टाइम मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देने, अपनी कमियों को दूर करने और सफलता के लिए अपनी सोच बदलने की सलाह दी। करीब दो घंटे की इस क्लास में कलेक्टर सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि उन्हें यह सोच बदलनी होगी कि सफलता केवल बड़े महानगरों के छात्रों को मिलती है। उन्होंने गांवों से निकलकर सफल हुए कई उदाहरणों का जिक्र करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को खुद पर भरोसा रखना चाहिए और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करना चाहिए।

अपने तैयारियों के दिनों को याद किया

कलेक्टर ने अपने आईएएस तैयारी के दिनों का उदाहरण देते हुए बताया कि वे दो साल तक घर नहीं गए थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जीवन के प्रतिदिन के 24 घंटों का सदुपयोग करने और अपने आसपास सफल लोगों के उदाहरणों से प्रेरणा लेने की बात कही।इस संकल्प सफलता के मंत्र कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कुमट, डीईओ आनंद शर्मा और एडीपीसी गिरीश तिवारी भी उपस्थित थे। डीईओ शर्मा ने घोषणा की कि अब प्रत्येक शनिवार को अधिकारी विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए ऐसी कक्षाएं लेंगे।

इस दौरान विद्यार्थियों ने कलेक्टर से कई सवाल भी पूछे। विद्यार्थी अपूर्व ने समय प्रबंधन के बारे में पूछा, जिस पर कलेक्टर ने सलाह दी कि पढ़ाई के लिए ऐसा स्थान चुनें जहां कोई व्यवधान न हो। उन्होंने लक्ष्य के प्रति स्पष्टता रखने और शॉर्ट नोट्स बनाने पर भी जोर दिया। एक अन्य छात्रा साक्षी ने अपने प्रयासों में विश्वास की कमी बताई। इसके जवाब में कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों को खुद पर भरोसा रखना होगा और डर से बाहर निकलना होगा। उन्होंने अपनी तैयारी पर विश्वास रखने और नियमित रूप से टेस्ट सीरीज हल करने की प्रेरणा दी।

प्रदेश में एक महीने में 9 किसानों की खुदकुशी:सबसे ज्यादा 4 ने उज्जैन जिले

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● विकास घर का होनहार लड़का था। इसी साल किसान क्रेडिट कार्ड से 5 लाख रुपए का कर्ज लेकर उसने बोर कराया और मक्के की फसल बोई थी। बेमौसम बारिश में पूरी फसल खराब हो गई। त्योहार में भी वह घर में कुछ नहीं ला पाया। इसी निराशा में उसने अपनी जान दे दी। ये कहते हुए अनिल यादव का गला भर जाता है। वह आगे कुछ कह नहीं पाते.. बाकी सारी कहानी उनके आंसू बयान कर देते हैं। अनिल नर्मदापुरम के मोरघाट गांव में रहते हैं। वह जिस विकास की बात कर रहे हैं, वह उनका भतीजा था। जिसने 22 अक्टूबर को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। विकास ग्रेजुएट था, लेकिन उसे कोई नौकरी नहीं मिली तो वह खेती से ही घर चलाने लगा था। अनिल कहते हैं कि घर चलाने की जिम्मेदारी उसी पर थी क्योंकि एक भाई दिव्यांग है। ऐसी दर्दनाक कहानी केवल विकास की नहीं है, मध्य प्रदेश में एक महीने में 9 किसानों ने जान दी है। इनमें 4 किसान उज्जैन जिले के हैं। दो खंडवा के जबकि नर्मदापुरम, श्योपुर और मुरैना जिले के एक-एक किसान हैं। सभी के आत्महत्या करने की वजह फसल खराब होना, कर्ज और फसल के उचित दाम न मिलना रहा है। हालांकि, अफसर ये मानने को तैयार नहीं हैं कि फसल खराब होने के चलते किसानों ने खुदकुशी की है। किसानों के परिजन से बात कर खुदकुशी की वजह को समझा, साथ ही एक्सपर्ट से बात कर जाना कि आखिरकार किसान निराश और हताश क्यों हैं। उज्जैन के चार किसानों ने कम उपज के चलते मौत को गले लगाया है। पहली घटना 4 अक्टूबर की है। बगला गांव के रहने वाले रामसिंह भामी ने 4 अक्टूबर को सोयाबीन की फसल की कटाई कराई। पहले तो थ्रेशर मशीन खेत में फंसने से परेशान हुए फिर जैसे ही फसल निकलने लगी तो कम उत्पादन देखकर चिंता में डूब गए। फसल निकलती छोड़कर घर आ गए।

न्यूज ब्रीफ

जिला प्रशासन द्वारा चॉकलेट फैक्ट्री पर बड़ी कार्रवाई- फैक्ट्री की गई सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार महू एसडीएम श्री राकेश परमार एवं सिमरोल नायब तहसीलदार की संयुक्त टीम द्वारा खाराखेड़ा स्थित एक चॉकलेट फैक्ट्री पर महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फैक्ट्री में फायर सेफ्टी के आवश्यक प्रावधानों का पूरी तरह अभाव था। साथ ही फूड सेफ्टी (स्नस्स्ड्ढ) मानकों तथा लेबर एक्ट में निर्धारित प्रावधानों का पालन भी नहीं किया गया था। जांच में यह भी पाया गया कि फैक्ट्री परिसर में स्वच्छता व्यवस्था अत्यंत खराब स्थिति में थी, जो खाद्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर लापरवाही है। इन सभी गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए प्रशासन द्वारा फैक्ट्री को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की मुहिम, हर विवाह का होगा पंजीयन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देव उठनी एकादशी के साथ ही विवाह आयोजनों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। विवाहों के शत-प्रतिशत पंजीयन के लिये प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किये गये हैं। यह योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की एक सराहनीय पहल है। इससे विवाहों का शत-प्रतिशत पंजीयन हो सकेगा, जिससे भविष्य में दंपत्ति को कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा। मध्यप्रदेश विवाह रजिस्ट्रेशन नियम 2008 के अनुसार राज्य के भीतर भारत के नागरिकों के बीच किसी भी विधि या रुढ़ि के अधीन सत्यापित किये गये विवाह का पंजीयन किया जाता है। विवाहों का पंजीयन नहीं होने पर विशेष तौर पर महिलाओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बुध आज से, गुरु मंगलवार को होंगे वक्री

सूर्य वृश्चिक में, शुक्र-मंगल नक्षत्र बदलेंगे; आने वाले समय में शीतलहर में वृद्धि होगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • भारतीय ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों के वक्री और मार्गी होने के प्रभावों को राशियों और नक्षत्रों के साथ दर्शाया गया है। प्रत्येक ग्रह का वक्रत्व काल अलग होता है। उनके वक्री और मार्गी होने की समय-सीमा निश्चित होती है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस सप्ताह कई प्रमुख ग्रह अपनी चाल और स्थिति बदलेंगे।

ग्रह गोचर की गणना के अनुसार- 9 नवंबर की मध्य रात्रि में बुध ग्रह वक्री हो जाएंगे। इसके बाद 11 नवंबर मंगलवार को रात्रि 10:18 बजे गुरु भी वक्री होंगे। 16 नवंबर को सूर्य का वृश्चिक राशि में प्रवेश होगा।

18 नवंबर को शुक्र विशाखा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। 19 नवंबर को सूर्य अनुराधा नक्षत्र में और मंगल ग्रह ज्येष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। 20 नवंबर को बुध का विशाखा नक्षत्र में गोचर होगा।

बुध को मौसम के परिवर्तन का कारक ग्रह-ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया कि बुध को मौसम के परिवर्तन का कारक ग्रह माना जाता है।

यह इस बात की ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में शीतलहर में वृद्धि होगी और प्रकृति में बदलाव दिखाई देंगे। कहीं-कहीं बर्फबारी जैसी प्राकृतिक घटनाएं भी देखने को मिल सकती हैं।

मंगल के नक्षत्र परिवर्तन से तकनीकी संसाधनों में वृद्धि की संभावना है। इसके साथ ही, मध्य पूर्व में युद्ध के लिए तत्पर राष्ट्रों के मध्य तनाव बढ़ सकता है, जिससे अस्थिरता का माहौल या अनिश्चित युद्ध की स्थिति बन सकती है। वर्तमान में मंगल अपनी स्वयं की राशि वृश्चिक में गोचर कर रहे हैं, और गुरु का दृष्टि संबंध भी अच्छी स्थिति को दर्शाता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष ध्यान बढ़ेगा

गुरु के वक्री होने से लोगों की मानसिकता में अस्थिरता और विचलन की स्थिति बन सकती है। हालांकि, भारतीय सेवा और सैन्य संसाधनों में तकनीकी परिवर्तन तेजी से होंगे।

आतंकवाद के खिलाफ दुनिया एकजुट होने का प्रयास करेगी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भी कई विकास की संभावनाएं हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष ध्यान बढ़ेगा और छोटे से लेकर बड़े क्षेत्रों तक इसके उपयोग का महत्व दिखाई देगा।

विधायक गोलू शुक्ला के नाम से हट गया सनातनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विधायक गोलू शुक्ला अपनी धार्मिक गतिविधियों के कारण सनातनी विधायक के रूप में पहचान रखते हैं। इनके सभी पोस्टरों में सनातनी विधायक लिखा होता है। सभी साथी नेता भी उन्हें इसी नाम से पुकारते हैं। वही, अब इसी संबोधन ने बवाल कर दिया है। इसके बाद इसे हटाना पड़ा।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के जरिए 10 नवंबर को स्वदेशी स्वावलंबन मेला आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन स्वदेशी जागरण मंच के साथ किया जाएगा। इस आयोजन के आमंत्रण पत्र में पहले मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक गोलू शुक्ला का नाम लिखा था। इसमें भी पूरा लिखा गया था- मुख्य अतिथि सनातनी विधायक गोलू शुक्लाजी। साथ में संरक्षक के तौर पर कुलगुरू प्रोफेसर राकेश सिंघई और कुलसचिव प्रज्वल खरे का नाम था। इसके बाद बवाल हो गया। विश्वविद्यालय में इसे लेकर शिकायतें हुईं। इसमें कहा गया कि किसी विधायक के नाम के आगे सनातनी कैसे लिखा जा सकता है, यह उनका नाम नहीं है। यहां तक कि यह भी कहा गया कि क्या इसका मतलब है कि बाकी सभी नेता और अन्य लोग गैर-सनातनी हैं। ऐसे तो फिर विधायक रमेश मेंदोला के साथ दादा दयालु लिख दो।

साढ़े छह लाख में सिपाही भर्ती परीक्षा पास कराने वाले को पुलिस ने पकड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पुलिस सिपाही भर्ती की आड़ में उम्मीदवारों को खासकर लड़कियों को फंसाने वाला जालसाज अजय पाटीदार आखिरकार पकड़ा गया है।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने इस मामले में गंभीरता से ठगोरे अजय को ट्रैस किया। फिर इसे बागली, देवास से गिरफ्तार कर लिया है। यह उम्मीदवारों को फोन करके 6.50 लाख रुपए में पुलिस सिपाही भर्ती में पास कराने का झांसा दे रहा था। द सूत्र ने प्रमुखता से इसकी न्यूज चलाई थी।

केवल 10वीं पास है, पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड - इस मामले में इंदौर के गोपाल प्रजापति ने क्राइम ब्रांच को शिकायत भी की थी। उनके साथ में पीड़ित युवती भी गई थी, दोनों ने लिखित आवेदन दिया था। वहीं, पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने बच्चों के भविष्य की बात को देखते हुए क्राइम ब्रांच को तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए।

इसके बाद इंदौर क्राइम ब्रांच ने तत्काल आरोपी अजय पर FIR दर्ज कर जांच शुरू की थी। यह स्नढ्ढक्र अपराध क्रमांक - 194/25, धारा 318(2), 319(2) बी एन एस रजिस्टर की गई थी।

वहीं अब आरोपी अजय पाटीदार, निवासी बागली, देवास को तकनीकी साक्ष्यों एवं साइबर टीम की सहायता से गिरफ्तार कर लिया गया है। अजय केवल दसवीं पास है। इस पर बागली में गैंबलिंग और आर्म एक्ट का भी केस दर्ज है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया-एमपी सिपाही भर्ती में दलाल सक्रिय, 6.50 लाख में पास कराने का ऑफर, दावा 29 पहले करा चुके पास लड़कियों को फंसाने के लिए कर रहा था आरोपी आदतन आरोपी अजय पाटीदार 10वीं कक्षा तक पढ़ा-लिखा है और खेती करता है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी कई लड़कियों से फ्रेंडशिप करने के इरादे से बातचीत करता था। अच्छा प्रभाव बनाए रखने के लिए स्वयं को पुलिस में आरक्षक होना बताता था। संबंधित लड़की को भी इसी इरादे से मैसेज किया था। आरोपी को पता चला कि वह सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही है। इसी का फायदा उठाकर नौकरी दिलाने का झांसा दिया था।

इस तरह की बात हुई थी आडियो में

युवती- हां आपने मैसेज किया था।
दलाल- हां, आपका नंबर तो मेरे पास था पहले भी बात हुई है।
युवती- हां मेरी बहन के पास था नंबर, वो आपने परीक्षा के लिए मैसेज किया था, कितना पेमेंट लगेगा?
दलाल- 6.50-6.75 तक लगेगा। आधा अभी देना होगा और आधा बाद में
युवती- तो फिर परीक्षा पास हो जाएगी, भले ही नंबर नहीं आए?
दलाल- हां वही क्वालीफाई कराकर देंगे। फिजिकल भी कराकर देंगे।
युवती- कन्फर्म है हो जाएगा, क्या गारंटी है, भले ही कितने नंबर आएं, कुछ नहीं आता हो?
दलाल- पूरी गारंटी है, क्वालीफाई कराने की जिम्मेदारी उनकी है। फिजिकल भी कराकर देंगे, बस आपको जाना होगा, बाकी वह निकाल देंगे।
युवती- तो क्या मेरिट लिस्ट में नाम आ जाएगा?
दलाल- हां पास हो जाएंगे, ट्रेनिंग पर जाना होगा।
युवती- क्या पहले कराया है?
दलाल- हां अभी 2022 में ही करवाया है, इस बार 29 फाइल करवाई है। मैं अभी भी भोपाल आया हूं चार फाइल का पेमेंट करने के लिए।
युवती- भोपाल क्यों?
दलाल- सभी काम भोपाल से ही होता है।
युवती- ठीक है, पापा से बात करती हूं, बताती हूं।

नंबर पर फोन किया तो यह दिया जवाब-जिस नंबर से युवती को कॉल आया था, इस पर द सूत्र ने बात की तो अजय ने कहा था कि मैं देवास में ही रहता हूं और किसान हूं। मैं पुलिस में नहीं हूं। मेरा मोबाइल गुम गया था, अभी मिला है, किसी ने कॉल किया हो तो मुझे पता नहीं, मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है।

यह दावे किए गए थे अजय ने आडियो में युवती से बात करते हुए अजय ने आडियो में दावे किए थे कि वह सिपाही भर्ती परीक्षा 2025 में 6.50 लाख रुपए में पास करा देगा। फिजिकल में भी पास करा देगा। आधा पेमेंट अभी देना होगा और आधा बाद में। पूरा काम भोपाल से होता है। इसके पहले की परीक्षा में 29 फाइल यानी लोगों को पास करा चुका हूं।

इसके पहले भी पटवारी भर्ती परीक्षा के बाद सिपाही भर्ती के लिए सक्रिय हुए दलाल के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था। इसने खुलकर 10-15 लाख में भर्ती के लिए डील करने की बात कही थी। साथ ही, दावे किए थे कि कई नेताओं और अधिकारियों से संबंध है। वह सब करा देगा। उसी समय उसने सब इंस्पेक्टर भर्ती तक के लिए दावे किए थे कि वह सब करा देगा अभी से इसकी बुकिंग चल रही है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सड़क पर गड्ढों के लिए मांगी माफी

बिहार पर बोले वोट चोरी का बना रहे बहाना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश की सड़कों और खासकर इंदौर की सड़कों पर हुए गड्ढों से हुई असुविधा पर माफी मांगी है। उन्होंने सीधे कहा कि लोगों को गड्ढों से असुविधा हुई है। इसके लिए हम क्षमा चाहते हैं। साथ ही, इंदौर में काम तेजी से चल रहा है और पूरे प्रदेश में गड्ढे भरने का काम हो रहा है।

ज्यादा से ज्यादा एक महीने में यह काम पूरा हो जाएगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आधी रात को इंदौर में चल रहे पेंचवर्क का काम देखने के लिए निकले थे। उनके साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, एमआईसी मेंबर राजेंद्र राठौर, मनीष मामा व अन्य लोग थे। मंत्री ने कहा कि पेंचवर्क का काम शुरू हो गया है। महापौर और राठौर खड़े होकर पेंचवर्क के काम की गुणवत्ता पर नजर रखे हुए हैं। इस बार लगातार बारिश होने के कारण काम शुरू नहीं कर सके थे। हमारी तैयारी तो दिवाली से ही थी, लेकिन बारिश के चलते अवसर नहीं मिला। पूरे प्रदेश में गड्ढे थे और इससे लोगों को असुविधा हुई, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। इस असुविधा के लिए हम लोगों से क्षमा भी चाहते हैं, लेकिन अब पूरे प्रदेश में गड्ढे भरने का काम शुरू हो गया है। इंदौर में भी महापौर ने कर्मठता के साथ इसे शुरू किया है। मंत्री ने कहा कि निगम सड़कों के लिए काम कर रहा है। ब्रिज के पास सर्विस रोड के लिए भी हमने कलेक्टर को निर्देश दिए हैं। अन्य विभाग भी इसके लिए काम करें। खासकर जहां ब्रिज बन रहे हैं, वहां सर्विस रोड काफी खराब है। यह काम भी शुरू हो चुका है। इंदौर के लोगों को अब असुविधा नहीं होगी और एक महीने में गड्ढे भर दिए जाएंगे। मध्य प्रदेश में सभी जगह पेंचवर्क का काम शुरू हो गया है। बिहार चुनाव को लेकर मंत्री ने कहा कि वहां 160 से ज्यादा सीटें जीत रहे हैं। राहुल गांधी का वोट चोरी, वोट चोरी का कोई वहां गंभीरता से नहीं लेता, उनमें गंभीरता नहीं है। उन्हें पता है कि वहां हार रहे हैं, इसलिए कभी मशीन का तो कभी वोट चोरी का मुद्दा उठाते हैं। यह हार के लिए बहाना बनाना है, क्योंकि अगर वे हारते हैं तो नेतृत्व पर सवाल उठेंगे।

मामला राज हत्याकांड का

हवस के लिए हत्या : राज के भाई ने शिलांग पुलिस को दिया बयान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड को लेकर राजा के बड़े भाई विपिन को शिलॉन्ग कोर्ट में बयान के लिए बुलाया है। वे सोमवार सुबह फ्लाइट से इंदौर से रवाना हो गए हैं। रात तक शिलॉन्ग पहुंचेंगे। 11 नवंबर को विपिन के बयान होंगे। उन्हें शिलॉन्ग के थाना प्रभारी के माध्यम से वॉट्सऐप पर नोटिस भेजा गया था।

शिलॉन्ग रवाना होने से पहले विपिन रघुवंशी से दैनिक भास्कर ने बात की। उन्होंने कहा- मैंने ही राजा और सोनम के लापता होने की पुलिस में शिकायत की थी। अब किस विषय में बयान होना है, यह वहीं जाकर पता चलेगा। हमें मामले में कुछ और बातों की भी जानकारी मिली है, जिसकी पुष्टि वहीं होगी।

विपिन का कहना है कि हमें अभी तक चार्जशीट नहीं मिली है, जिससे भाई के मर्डर का मोटिव पता नहीं चल सका है। जहां तक मुझे लग रहा है कि राज और सोनम ने अपनी हवस के लिए राजा की हत्या की। आमतौर पर लोग प्यार में कुर्बानी देते हैं, लेकिन इन्होंने हवस के लिए उसे मार दिया।

बता दें, राजा रघुवंशी का 2 जून को शिलॉन्ग में शव मिला था। मामले में उसकी पत्नी सोनम समेत 5 आरोपी जेल में हैं। शिलॉन्ग पुलिस की एसआईटी 790 पेज की चार्जशीट भी कोर्ट में पेश कर चुकी है। 21 सितंबर को परिवार ने घर में ही राजा का जन्मदिन भी मनाया था। परिवार ने राजा की फोटो के सामने बर्थडे सॉन्ग गाया। मां ने राजा के फोटो की बलाएं भी ली थीं। इस दौरान राजा के दोनों भाई उनकी पत्नी, बच्चे और माता-पिता ने जरूरतमंदों को कंबल बांटे। हालांकि, परिवार ने दीपावली का त्योहार नहीं मनाया। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की सोनम से शादी इसी साल 11 मई को हुई थी। इसके बाद अपनी पत्नी सोनम रघुवंशी के साथ इसी साल 21 मई को हनीमून मनाने के लिए मेघालय के शिलॉन्ग गए थे। जहां वो 23 मई को हनीमून के दौरान लापता हो गए थे। 10 दिन बाद पुलिस ने 30 फीट गहरी खाई से राजा का क्षत-विक्षत शव बरामद किया, जिस पर धारदार हथियार से किए गए कई घाव थे। सोनम तब लापता थी। इसके बाद यूपी में उसने सरेंडर किया था।

संविधान बदलने के मंसूबों पर कलेक्टर शिवम वर्मा का स्पीड ब्रेकर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • डेली कॉलेज का संविधान बदलने की तैयारी में जुटे डीसी बोर्ड के मंसूबों पर अब पानी फिर गया है। पैरेंट्स की शिकायत पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश जारी किया है कि 12 नवंबर को डीसी बोर्ड की बैठक तो हो सकती है, लेकिन उसमें संविधान बदलने जैसा कोई फैसला नहीं हो सकता।

उल्लेखनीय है कि डेली कॉलेज के पैरेंट्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर शिवम वर्मा से मुलाकात कर वहां चल रही गतिविधियों की पूरी जानकारी दी थी। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से कहा था कि 12 नवंबर को एक बैठक बुलाई है। इसमें बोर्ड के सिर्फ 9 सदस्य ही उपस्थित रहेंगे। नियम के विपरित यह मीटिंग बुलाकर डीसी बोर्ड संविधान में संशोधन करना चाहता है जिससे कि वह हमेशा सत्ता में बना रहे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इससे जुड़ा केस अभी सक्षम अधिकारी के समक्ष लंबित है और यह बोर्ड अपने पावर का दुरुपयोग कर

संविधान में संशोधन कर अपना हित पूरा करना चाहता। इससे संस्थान का नुकसान होगा। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से अनुरोध किया था कि पूरे मामले की जांच करवाएं तथा 12 नवंबर को होने वाली बैठक पर तत्काल रोक लगाएं। पैरेंट्स की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने डीसी बोर्ड को यह निर्देश जारी किए हैं कि 12 नवंबर को होनेवाली बैठक में सिर्फ प्रशासनिक एवं स्कूल के कार्यों से संबंधित ही फैसले लिए जाएं। शासन के नियमों के विपरित या संविधान बदलने जैसा कोई फैसला नहीं लिया जाए। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि पैरैंट्स की शिकायत पर उन्होंने गौर किया है। यह भी पाया गया है कि इस मामले में शासन से एक स्टे मिला हुआ है। ऐसे में कोई व्यापक चेंज वाले प्रस्ताव पर मंजूरी नहीं हो सकती है। कलेक्टर ने बताया कि इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पैरेंट्स ने कलेक्टर को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा था कि डीसी बोर्ड ने एक जुलाई 25 को अपनी मीटिंग में बिना एजीएम बुलाए गलत तरीके से संविधान बदलने का प्रयास किया।

अपने आप को शिक्षाविद् कहने वाले फर्जी छात्रवृत्ति घोटाले में जमानत पर हैं पसारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के जाने-माने कारोबारी, शिक्षाविद और श्री वैष्णव विद्यापीठ यूनिवर्सिटी के चांसलर पुरुषोत्तम पसारी और उनके भाई विष्णु पसारी 28850 रुपए की छात्रवृत्ति मामले में उलझ चुके हैं। इस मामले में लोकायुक्त की कार्रवाई के चलते दोनों भाइयों ने अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए पहले ही अग्रिम जमानत ले ली थी। अपने आवेदन में दोनों भाईयों ने अपने आपको गिरफ्तार किए जाने की आशंका जताई थी। इसीलिए अग्रिम जमानत मांगी थी। हालांकि विशेष न्यायाधीश ने आर्थिक अपराध की गंभीरता को देखते हुए यह आवेदन खारिज कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने इसकी अपील हाईकोर्ट बेंच में यह कहते हुए की थी कि उनका इस राशि से कोई लेना-देना नहीं है और अभी तक लोकायुक्त द्वारा पूरी जांच के दौरान उन्हें गिरफ्तार भी नहीं किया गया है, जांच में हमने पूरा सहयोग दिया है। इस तर्क पर हाईकोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी थी। गौरतलब है कि एक अज्ञात छात्रा के एडमिशन के नाम पर स्कालरशिप ले ली गई थी। लोकायुक्त ने छात्रवृत्ति को लेकर आई शिकायत के आधार पर कॉलेज प्राचार्य पंकज शर्मा, श्री वैंकेटेशवर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के संचालक पुरुषोत्तम दास पसारी और उनके भाई विष्णु पसारी के खिलाफ धारा 420, 406, 467, 468 व 471 के तहत अपराध क्रमांक 250/2015 दर्ज किया था। आरोप है कि सत्र 2011-12 के दौरान अज्ञात छात्रा अमृता राय का बीई में एडमीशन हुआ। इसका एडमिशन दिखाकर शासन से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से 28 हजार 850 रुपए की स्कॉलरशिप ले ली गई। 3 साल तक इस राशि का इस्तेमाल किया, लेकिन जब शिकायत हुई तो संस्था द्वारा इसे शासन को वापस किया गया। शिकायतकर्ता का कहना था कि इससे खुद ही साबित होता है कि उन्होंने फर्जी तरीके से यह छात्रवृत्ति ली थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।